संगीत नाटक अकादमी

नई दिल्ली

वार्षिक रिपोर्ट 1974-75

वार्षिक रिपोर्ट 1974-75

विषय-सूची

	पृ० सं०
श्रद्धांजलि	1
संगठनात्मक व्यवस्था	2-3
बैठकें	4
सन् 1974 कीअधिसदस्यता और पुरस्कार	4-6
मानाभिषेक	6
पुस्तकालय और श्रवण कक्ष	6-7
अकादमी टेप पुरालेखागार	7-9
संस्थाओं को आर्थिक सहायता	10
प्रकाशन	10-12
कार्यक्रम	13-16
नाट्य समारोह 1975	16-17
संगोष्ठियां और कार्यशालाएं	18-20
अकादमी का कला समारोह	20-21
योजनांतर्गत कार्यक्रम	21-26
नैशनल स्कूल आफ़ ड्रामा	26-35
कत्थक केन्द्र	35-38
जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी	38-41
राष्ट्रीय लोक नृत्य मंडली	41

परिशिष्ट

31 मार्च, 1975 को साधारण परिषद् के सदस्य	परिशिष्ट 1
1974-75 वर्ष में राज्य अकादमियों को स्वीकृत की गई राशि	परिशिष्ट 2
वर्ष 1974-75 में संस्थाओं । व्यक्तियों को दिया गया विवेकाधीन अनुदान	परिशिष्ट 3
प्राप्तियों और भुगतानों के विवरण	परिशिष्ट 4, 4(क), 5, 5(क), 6 और 7.

-0-

प्राक्कथन

अकादमी का आलोच्य वर्ष लगभग उसी समय समाप्त हुआ जब अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष के पांव कुछ जमने लगे । अधिसदस्यों (फैलोज़) में महिलाओं की संख्या कम होने के कारण अकादमी ने दो महिलाओं को अधि-सदस्य बनाकर एक प्रकार से इस असंतुलन को दूर करने का प्रयास किया । ये महिलाएं हैं - श्रीमती कमलादेवी चट्टोपाध्याय और श्रीमती एम० एस० सुब्बलक्ष्मी । श्रीमती चट्टोपाध्याय सांस्कृतिक पुनर्जागरण का उद्घोष करने वाले प्रमुख व्यक्तियों में से एक हैं और श्रीमती एम० एस० सुब्बलक्ष्मी को श्रीमती सरोजिनी नायडू ने 'भारत कोकिला' की संज्ञा दी थी । इसी वर्ष एक अन्य अधिसदस्य को चुना गया, जिनका नाम है श्री ज्ञानप्रकाश घोष । वे एक साथ महान गायक, महान वाद्यवादक, महान रचयिता और महान अध्यापक थे । अकादमी ने 12 प्रतिष्ठित संगीतज्ञों, नृत्यकारों और अभिनेताओं को पुरस्कार देने की घोषणा की । पुरस्कारविजेताओं में मणिपुरी नृत्य की यशस्वी नर्तकी श्रीमती इबेम्हल देवी थी जो केवल यह जानने के लिए जीवित रहीं कि उन्हें यह प्रतिष्ठा प्राप्त होने वाली है, किन्तु पुरस्कार प्राप्त करने से पहले ही वे परलोक सिधार गईं ।

अकादमी को विगत वर्षों की अपेक्षा अधिक अर्थाभाव की स्थिति में काम करना पड़ा । यही कारण है कि उसे अपनी कुछ योजनाओं को स्थगित रखना पड़ा । ऐसा होते हुए भी अकादमी ने अपने सामान्य कार्यकलापों को यथासंभव अच्छी तरह पूरा किया और कुछ नए कार्य भी हाथ में लिए । पूना में संगीत-मनोविज्ञान पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई । इसका आयोजन पूना विश्वविद्यालय के प्रयोगात्मक मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से किया गया । भोपाल में सात दिन का नाट्य समारोह भी एक अन्य महत्त्वपूर्ण घटना है । अकादमी कुछ समय से यह अनुभव कर रही थी कि इसकी गतिविधियां दिल्ली तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इनसे अन्य क्षेत्र भी लाभान्वित

होने चाहिए । इस समारोह में न केवल उस क्षेत्र की भाषा हिंदी के नाटकों का ही अभिनय किया गया बल्कि बंगला, मराठी और मलयालम के नाटकों का भी मंचन किया गया । यह बात उल्लेखनीय है कि यद्यपि इन तीन भाषाओं के संवादों को अधिसंख्य दर्शक नहीं समझ सके, फिर भी इन नाटकों की काफी सराहना की गई ।

हंगामे का रूप धारण करनेवाली और समाचारपत्रों में प्रमुखता पानेवाली जो घटना घटी वह है नेशनल स्कूल आफ ड्रामा के निदेशक श्री अल्काज़ी का त्यागपत्र । इस त्यागपत्रका प्रेरक तत्त्व था कुंठा की भावना । एक प्रतिभावान व्यक्ति के लिए इससे बढ़कर कष्ट देनेवाली और क्या बात हो सकती है कि वह यह अनुभव करने लगे कि संस्था के विकास और उसकी उन्नति के पर्याप्त अवसर नहीं हैं । इस त्यागपत्र का अनुकूल प्रभाव पड़ा । अब संस्कृति विभाग की कृपा और पहल के कारण नेशनल स्कूल आफ ड्रामा शीघ्र ही एक स्वायत्त संस्था बन जाएगा, उसके पास पर्याप्त धन होगा और साथ ही अकादमी के साथ उसका घनिष्ठ संबंध भी बना रहेगा ।

के० पी० एस० मेनन
अध्यक्ष
अकादमी

श्रद्धांजलि

संगीत नाटक अकादमी ने प्रदर्शन-कला . के उन अनेक प्रसिद्ध व्यक्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिनका इस वर्ष स्वर्गवास हो गया । इनमें से अनेक अत्युत्कृष्ट कलाकार थे और उनके अभाव को सभी लोग अधिकाधिक अनुभव करते रहेंगे । इनमें से अग्रगण्य थे : मराठी रंगमंच के अनुभवी तथा प्रसिद्ध अभिनेता श्री गोपाल गोविन्द जो नाना साहब फाटक के नाम से जाने जाते थे और जिन्होंने सन् 1960 में कुशल अभिनय के लिए अकादमी पुरस्कार प्राप्त किया था; अकादमी के अधिसदस्य और सन् 1961 से 1965 तक अकादमी के अध्यक्ष श्री जय चामराज वाडियार; सन् 1958 में अकादमी की अधिसदस्या अंजनीबाई मालफेकर; हिन्दुस्तानी (कंठ) संगीत के लिए सन् 1972 में पुरस्कार जीतनेवाली बेगम अख्तर; कर्नाटक (कंठ) संगीत के लिए सन् 1958 में पुरस्कार-विजेता चेम्बै श्री वैधनाथन भागवतार; सन् 1972 में अकादमी के अधिसदस्य श्री कृष्णराव गणेश फुलअम्ब्रीकर; हिन्दुस्तानी (कंठ) संगीत के लिए सन् 1957 में अकादमी का पुरस्कार जीतनेवाली श्रीमती रसूलन बाई; नाटक निर्माण और निर्देशन के लिए सन् 1964 में अकादमी के पुरस्कार-विजेता श्री 'नवाब' टी० एस० राजा माणिक्कम; बंगला रंगमंच के अनुभवी कलाकार और कुशल अभिनय के लिए सन् 1958 में अकादमी के पुरस्कार-विजेता श्री अहीन्द्र चौधरी; हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत के लिए सन् 1970 में अकादमी के पुरस्कार-विजेता उस्ताद मसीत खां; कर्नाटक (कंठ) संगीत के लिए सन् 1957 में अकादमी के पुरस्कार-विजेता और सन् 1967 में अकादमी के अधिसदस्य मुसीरी सुब्रामनिय अय्यर; कुशल अभिनय के लिए सन् 1973 में अकादमी के पुरस्कारविजेता श्री कल्याणम रघुरमैया; मणिपुरी नृत्य के लिए सन् 1958 में अकादमी के पुरस्कार-विजेता गुरु एच० अतोम्बा सिंह और मणिपुरी नृत्य के लिए ही सन् 1974 में अकादमी का पुरस्कार जीतनेवाली श्रीमती एल० इबेम्हल देवी ।

अकादमी इन सब की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित करती है ।

संघटनात्मक व्यवस्था

संगीत नाटक अकादमी 11 सितम्बर, 1961 को 1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत की गई थी । अकादमी के उद्देश्य, साधारण परिषद्, कार्यकारी मंडल और वित्त समिति के अधिकार और कर्तव्य संगीत नाटक अकादमी के 'संस्था ज्ञापन और उसके नियम-विनियम' में निर्दिष्ट किए हुए हैं ।

अकादमी का सर्वोच्च प्राधिकार साधारण परिषद् में निहित है । कार्यकारी मंडल अकादमी का शासी निकाय है और यह अकादमी के सभी कार्यों की देख-रेख, निर्देशन और नियंत्रण करता है । वित्त समिति वित्तीय मामलों में कार्यकारी मंडल की सहायता करती है । वित्त सलाहकार इस समिति का पदेन अध्यक्ष होता है ।

अकादमी की साधारण परिषद्

31 मार्च, 1975 को साधारण परिषद् के सदस्यों की सूची परिशिष्ट में दी गई है ।

कार्यकारी मंडल

श्री के0 पी0 एस0 मेनन .... अध्यक्ष
श्री पी0 एल0 देशपांडे ... उपाध्यक्ष
श्री एस0 वेंकटरमण
श्री जे0 सी0 माथुर
श्री बलवंत गार्गी
डा0 बी0 एस0 झा
डा0 नारायण मेनन

श्रीमती मृणालिनी साराभाई

डा0 (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन

प्रो0 जालमणि मिश्र

श्री हबीब तनवीर

कुमारी उषा भगत

श्रीमती दीना पाठक

डा0 महेश्वर नियोग

श्रीमती गुल बर्धन

वित्त समिति

श्री एस0 वेंकटरमण

डा0 वी0 एस0 झा

श्री जे0 सी0 माथुर

डा0 (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन

अकादमी के अधिकारी

ता0 31-3-75 को जो अकादमी के अधिकारी थे वे इस प्रकार हैं :

अध्यक्ष	:	श्री के0 पी0 एस0 मेनन
उपाध्यक्ष	:	श्री पी0 एल0 देशपांडे
वित्त सलाहकार	:	श्री एस0 वेंकटरमण
सचिव	:	डा0 सुरेश अवस्थी

बैठकें 1974-75

इस वर्ष साधारण परिषद् की बैठक केवल एक बार 19 दिसम्बर, 1974 को हुई। परिषद् ने अन्य बातों के साथ-साथ पुनरीक्षण समिति द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार अकादमी के संविधान में सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधनों पर विचार किया। उसके बाद परिषद् के विचारों को सरकार के पास भेज दिया गया।

कार्यकारी मंडल की बैठक 26 जून, 16-17 अगस्त और 17-18 दिसंबर, 1974 को हुई।

वित्त समिति की बैठक 8 अक्तूबर, 1974 को हुई।

इस वर्ष राज्य अकादमियों के सचिवों की कोई बैठक नहीं हो सकी। जुलाई, 1974 को उदयपुर में होनेवाली बैठक अनपेक्षित परिस्थितियों के कारण रद्द करनी पड़ी।

सन् 1974 की अधिसदस्यता और पुरस्कार

संगीत नाटक अकादमी की साधारण सभा ने 19 दिसंबर, 1974 की अपनी बैठक में संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्रों में अकादमी के पुरस्कारों के लिए 14 प्रसिद्ध कलाकारों को और अकादमी के अधिसदस्यों के रूप में तीन प्रतिष्ठित व्यक्तियों को चुना। इस वर्ष के लिए दिए गए पुरस्कार इस प्रकार हैं : हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत के लिए दो-दो; नृत्य में चार - एक भरत नाट्यम् के लिए, एक कथकलि के लिए, एक कत्थक में और एक मणिपुरी में; चार नाटक में - एक नाट्यलेखन के लिए, एक नाट्यनिर्देशन के लिए, एक (गुजराती में) कुशल अभिनय करने के लिए और एक मंच-तकनीक के लिए। देश में प्रचलित नृत्य और थियेटर के अन्य रूपों के लिए दो अतिरिक्त पुरस्कार भी दिए गए। इनमें से एक उड़ीसा के लोक नृत्य के लिए और एक छत्तीसगढ़ के

पांडवनी नामक लोक थियेटर के लिए दिया गया । यह पहली बार है कि मंचतकनीक के लिए भी पुरस्कार दिया गया ।

विभिन्न कोटियों के अंतर्गत चुने गए कलाकारों का विवरण इस प्रकार है :

अधिसदस्य

श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय
श्री ज्ञान प्रकाश घोष
श्रीमती एम0 एस0 सुब्बु लक्ष्मी

पुरस्कार

संगीत

श्री कुमार गंधर्व	...	हिन्दुस्तानी संगीत (कंठ)
श्री निखिल बैनर्जी	...	हिन्दुस्तानी संगीत (वाद्य-सितार)
श्री एम0 डी0 रामनाथन	...	कर्नाटक संगीत (कंठ)
श्री टी0 एन0 कृष्णन	...	कर्नाटक संगीत (वाद्य - वायलिन)

नृत्य

श्री किट्टप्पा पिल्लै	...	भरतनाट्यम् शिक्षक
पंडित गौरीशंकर	...	कत्थक
श्री कलामंडलम रामनकुट्टी नायर	...	कथकलि
श्रीमती एल0 इबेम्हल देवी	...	मणिपुरी

अन्य नृत्य शैलियां

श्री भगवान साहु	...	उड़ीसा लोकनृत्य

नाटक

श्री एस0 डी0 सुंदरम	...	नाट्यलेखन
श्री दामू केंकरे	...	नाट्यनिर्देशन
श्री तापस सेन	...	मंचतकनीक
श्री प्राणसुख नायक	...	अभिनय

अन्य थियेटर रूप

श्री पुनाराम निषाद	...	लोक थियेटर - पांडवनी

मानाभिषेक

सन् 1974 के पुरस्कारों का वितरण 7 मार्च, 1975 को एक विशेष समारोह में रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली में किया गया जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रपति श्री फखरुद्दीन अली अहमद ने की । राष्ट्रपति ने तीन व्यक्तियों को अधिसदस्यता प्रदान की तथा संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्रों के 13 विशिष्ट कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए । स्वर्गीया श्रीमती एल0 इबेम्हल देवी को दिया जानेवाला पुरस्कार उसके सुपुत्र को दिया गया ।

पुस्तकालय और श्रवण कक्ष

अकादमी के पुस्तकालय में लगातार वृद्धि होरही है । सन् 1974-75 के दौरान इसमें अंग्रेजी और विभिन्न भारतीय भाषाओं की 182 पुस्तकें बढ़ी । इनमें से 139 पुस्तकें खरीदी गई और 43 पुस्तकें लेखकों, प्रकाशकों और राजदूतावासों से भेंट के रूप में मिलीं । भारतीय पत्र-पत्रिकाएं तो मंगवाई गई, परन्तु अर्थाभाव के कारण विदेशी पत्रिकाओं का मंगवाना स्थगित

करना पड़ा । समाचारपत्र कतरन सेवा और संदर्भ तथा ग्रंथसूची सेवाओं से पाठकों और अनुसंधानकर्ताओं को लाभ पहुंचता रहा ।

अकादमी ने एक पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की और जनवरी, 1975 में पूना में "संगीत मनोविज्ञान" संगोष्ठी के अवसर पर इसी विषय की एक ग्रंथसूची प्रकाशित की ।

डिस्क पुस्तकालय में 29 डिस्कों की वृद्धि हुई ।

पुस्तकालय, वाचनालय और श्रवण कक्ष का भारतीय और विदेशी अनुसंधानकर्ताओं तथा साधारण लोगों द्वारा लाभ उठाया गया ।

अकादमी टेप पुरालेखागार

1974-75 वर्ष में अकादमी के टेप पुरालेखागार में निम्नलिखित सामग्री जोड़ी गई :

शास्त्रीय (कंठ) संगीत (हिन्दुस्तानी)

इश्तियाक हुसैन	..	2 घं०
पंडित जसराज	..	$2\frac{1}{2}$ घं०

शास्त्रीय (कंठ) संगीत (कर्नाटक)

श्री एम० डी० रामनाथन्	..	2 घं०
श्री गोपाल अय्यर	..	$1\frac{1}{2}$ घं०

शास्त्रीय वाद्यसंगीत (हिंदुस्तानी)

श्री अनन्तलाल और उनका दल (शहनाई)	..	$1\frac{1}{2}$ घं०
श्री निखिल घोष (तबला)	..	$1\frac{1}{2}$ घं०

शास्त्रीय वाद्यसंगीत (कर्नाटक)

श्री श्रीनिवास आयंगर (जलतरंग)	..	2 घं0
श्री टी0एन0 कृष्णन (वायलिन)	..	2 घं0

योजनाधीन अभिलेखन (लोक तथा पारंपरिक)

लोक संगीत

अरुणाचल प्रदेश	..	1 घं0 40 मि0
असम	..	$\frac{1}{2}$ घं0

आंध्रप्रदेश

ओग्गुकथा : एस0 सथैया तथा उनका दल	..	1 घं0
दूर्प भागवतम् : एरा सूर्यनारायण तथा उनका दल	..	1 घं0

मध्यप्रदेश

पांडवनी : पुन्नाराम तथा उनका दल	..	1 घं0
पांडवनी : रेवाराम तथा उनका दल	..	3 घं0

पारंपरिक संगीत

त्यागराज की कृतियां : एम0 एस0 सदाशिवन	..	$1\frac{1}{2}$ घं0

भेंट-वार्ता

श्री डी0आर0 बेंद्रे के साथ डा0 वी0सी0 देव की भेंटवार्ता	..	2 घं0

अन्य देशों का संगीत

'रामायण' संगीत : केन्द्रीय बाल थियटर, मास्को द्वारा प्रस्तुत	..	45 मि0
भूटानी नृत्य संगीत	..	$\frac{1}{2}$ घं0

नाटक एवं संगीतिका (आपरा)

'पंचवटी' - कठपुतली बैले	..	35 मि0

विविध

संगीत-मनोविज्ञान पर पूना में हुई संगोष्ठी	..	20 घं0
विहाग और केदार का विकास	..	55 मि0
कीरवाणी [illegible] '[illegible] संगीत'	..	20 मि0
वाराणसी में ध्रुपद समारोह	..	20 घं0
संगीत मनोविज्ञान पर संगोष्ठी	..	15 मि0
वार्षिक पुरस्कार समारोह 1974 - पुरस्कार वितरण; एम0एस0 सुब्बलक्ष्मी निखिल बैनर्जी, कुमार गंधर्व, टी0एन0 कृष्णन और एम0 डी0 रामनाथन द्वारा मंच पर प्रस्तुत कार्यक्रमों का रिकार्डिंग	..	10 घं0

संस्थाओं को आर्थिक सहायता

संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में काम करनेवाली संस्थाओं को अकादमी ने 1974-75 वर्ष के दौरान आर्थिक सहायता देना जारी रखा। ऐसी संस्थाओं तथा राज्य अकादमियों को सहायता-अनुदान के रूप में 4,94,000 रु0 की राशि दी गई। जिन-जिन संस्थाओं को इस वर्ष अनुदान दिया गया उनको किस-किस काम के लिए कितनी-कितनी राशि दी गई इसकी सूचना परिशिष्ट 2 में दी गई है।

उपर्युक्त राशि के अतिरिक्त कुछ सुपात्र विशेषज्ञों। विशिष्ट संस्थाओं को विशेष कार्यों या प्रयोजनों के लिए उपाध्यक्ष द्वारा अपने विवेक के अनुसार दी जानेवाली राशि में से 26,000 रु0 की रकम संस्वीकृत कर वितरित की गई। इसका विवरण परिशिष्ट 3 में है।

प्रकाशन

संगीत, नृत्य और नाट्य कला विषयक ज्ञान का प्रसार करने के लिए तत्संबंधी साहित्य का प्रकाशन अकादमी के कार्यकलापों में से एक महत्त्वपूर्ण कार्य है। इसीलिए अकादमी अपने प्रकाशनों के अतिरिक्त अन्य संस्थाओं और व्यक्तियों को भी उपयुक्त पुस्तकें प्रकाशित करने के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

प्रकाशनार्थ अनुदान प्राप्त करने के लिए भेजे जानेवाले आवेदनपत्र के साथ पुस्तक की पांडुलिपि भेजना भी अनिवार्य है। अकादमी की प्रकाशन समिति इनकी जांच करती है। समिति में प्रत्येक क्षेत्र के विशेषज्ञ सम्मिलित हैं :

1. श्री पी0 एल0 देशपांडे .. अध्यक्ष
2. डा0 वी0 के0 नारायण मेनन
3. डा0 (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन
4. डा0 लोकनाथ भट्टाचार्य
5. प्रो0 एन0 एस0 रामचंद्रन
6. प्रो0 महेश्वर नियोग
7. श्री के0 के0 नय्यर

इस समिति की बैठक सामान्यत: वर्ष में एक बार होती है। आवेदनपत्रों और पांडुलिपियों की भलीभांति जांच की जाती है। यह देखा जाता है कि प्रकाशन के लिए कितनी राशि मांगी गई है और अकादमी के पास इस मद में कितनी धन-राशि उपलब्ध है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए समिति विभिन्न प्रार्थियों को अनुदान देने की सिफारिश करती है। समिति की सिफारिशों के आधार पर ही कार्यकारी मंडल द्वारा अंतत: अनुदान स्वीकृत किए जाते हैं।

अनुदान

1974-75 वर्ष के दौरान निम्नलिखित अनुदान स्वीकृत किए गए :

1.	रु0 2000.00	संगीत कला विहार के प्रकाशन के लिए।
2.	रु0 2000.00	इंडियन म्यूजिकॉलोजिकल सोसायटी बड़ौदा की पत्रिका के प्रकाशन के लिए।
3.	रु0 3000.00	संगीत अकादमी, मद्रास की पत्रिका के प्रकाशन के लिए (इस वर्ष के दौरान यह अनुदान नहीं दिया जा सका)।
4.	रु0 2000.00	'एनैक्ट' के प्रकाशन के लिए।
5.	रु0 4000.00	राजपाल एंड संस, दिल्ली को 'संगीत एक लोक नाट्य परंपरा' के प्रकाशन के लिए।

अकादमी के प्रकाशन

अकादमी की एक योजना है जिसके अधीन चुने हुए विषयों पर विनिबंध (मोनोग्राफ) प्रकाशित किए जा सकते हैं । इस योजना के कार्यान्वयन के लिए पूना के श्री आर0 सी0 डेरे को 'तमाशा' पर विनिबंध लिखने के लिए कहा गया है । पूना के प्रो0 ए0 सी0 मंगलकर और मदुरै के श्री एस0 रामनाथन को भी भारत में संगीत-शिक्षा के विभिन्न पक्षों पर एक विनिबंध तैयार करने के लिए कहा गया है । प्रो0 मोहन खोकर की पुस्तक 'डांसिंग भरत नाट्यम्' के प्रकाशन का कार्य अकादमी ने अपने हाथ में लिया है ।

अकादमी डा0 कपिला वात्स्यायन की पुस्तक 'क्लासिकल इंडियन डांस इन लिट्रेचर एंड आर्ट्स' का दूसरा संस्करण निकालना चाहती है । इस पुस्तक का पहला संस्करण अब अप्राप्य है ।

पत्रिका और समाचार बुलेटिन

'संगीत नाटक' नाम की त्रैमासिक पत्रिका ने अपना उच्च स्तर बनाए रखा है । अभी तक इसके 32 अंक प्रकाशित हो चुके हैं । पिछले वर्ष इस पत्रिका का प्रकाशन दो अंक पिछड़ गया, क्योंकि जहां पत्रिका मुद्रित होती थी वह प्रेस अब बंद हो गया है । आशा की जाती है कि अगले वर्ष यह कमी पूरी कर दी जाएगी । लागत-व्यय बचाने के लिए पत्रिका का मुद्रण-आदेश 1000 से घटाकर 500 प्रतियां कर दिया गया है ।

अकादमीका समाचार बुलेटिन निकल रहा है । बुलेटिन का निःशुल्क वितरण उन संस्थाओं या व्यक्तियों को किया जाता है जो प्रदर्शन-कलाओं में रुचि रखते हैं ।

कार्यक्रम

अकादमी द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम किए गए :

(1) बर्मा समाजवादी गणतंत्र के राष्ट्रपति और राज्य परिषद् के अध्यक्ष महामहिम यू ने विन के सम्मान में 24 अप्रैल को राष्ट्रपति भवन में संगीत और नृत्य का कार्यक्रम रखा गया । जगोई मरुप द्वारा मणिपुरी, नाट्य बैले सेन्टर द्वारा लोकनृत्य और ब्रजेन मुकर्जी और माधवी मुद्गल द्वारा कत्थक प्रस्तुत किया गया ।

(2) संयुक्त राज्य अमेरिका के सेक्रेटरी आफ स्टेट महामहिम डाक्टर हेनरी किसिंजर के सम्मान में 27 अक्तूबर को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से अशोक होटल में नृत्य और संगीत का कार्यक्रम हुआ । इसमें भाग लेने वाले कलाकार थे - यामिनी कृष्णमूर्ति (भरत नाट्यम् और कुचिपुडि), उमा शर्मा (कत्थक) और जगोई मरुप (मणिपुरी) ।

(3) संस्कृति विभाग, भारत सरकार की ओर से केन्द्रीय बाल थियेटर, मास्को द्वारा कमानी सभागार में 13, 14 और 15 अक्तूबर को रामायण के तीन प्रदर्शन किए गए ।

(4) हंगरी जनवादी गणराज्य की मंत्रिपरिषद् के अध्यक्ष महामहिम श्री जेनो फाक और मादाम फाक के सम्मान में 21 नवम्बर को राष्ट्रपति भवन में नृत्य और संगीत का कार्यक्रम रखा गया । इसमें भाग लेने वाले कलाकार थे - राधा और राजा रेड्डी (कुचिपुडि) तथा राष्ट्रीय लोकनृत्य मंडली के कलाकार ।

(5) सुडान लोकतांत्रिक गणराज्य के राष्ट्राध्यक्ष महामहिम ग्याफर मोहम्मद निमेरी के सम्मान में 26 नवम्बर को राष्ट्रपति भवन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ । इसमें भाग लेने वाले कलाकार थे - दुर्गालाल और

माधवी मुद्गल (कत्थक), इंडियन रिवाइवल ग्रुप (लोकनृत्य) और त्रिवेणी कला संगम (मणिपुरी) ।

(6) जर्मन जनवादी गणराज्य की मंत्रिपरिषद् के अध्यक्ष महामहिम श्री होर्स्ट ज़िंडर्मन और मादाम इंगे ज़िंडर्मन के सम्मान में 29 नवम्बर को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । इसमें भाग लेने वाले कलाकार थे - ब्रजेन मुकर्जी तथा उषा शर्मा (कथक), नाट्य बैले सेन्टर (लोकनृत्य), श्रीमती स्वप्नसुंदरी (कुचिपुडि), गंधर्व क्वायर के कलाकार ।

(7) चैकोस्लोवाकिया समाजवादी गणराज्य के प्रधानमंत्री महामहिम डा0 लुबोमीर स्त्रागल और मादाम वेरा स्त्रागललोवा के सम्मान में 2 दिसम्बर को राष्ट्रपति भवन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ । इसमें भाग लेनेवाले कलाकार थे - यामिनी कृष्णमूर्ति (कुचिपुडि और भरत नाट्यम्), रामनाड ईश्वरन् दल (ताल वाद्य कचेरी), भारतीय कला केन्द्र (लोक नृत्य) ।

(8) मलेशिया के महामान्य-द्वय यांग दि पेर्तुअन अगोंग और राजा पेरमसुरी अगोंग के सम्मान में 6 दिसम्बर को राष्ट्रपति भवन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ । भाग लेने वाले कलाकार थे - जगोई मरुप (मणिपुरी) और भारतीय लोक कला मंडल (लोक नृत्य) ।

(9) भूटान नरेश महामहिम जिग्मे सिंग्ये वांगचुक के सम्मान में 18 दिसम्बर को राष्ट्रपति भवन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ । भाग लेने वाले कलाकार थे - जगोई मरुप (मणिपुरी), अंतर्राष्ट्रीय कथकलि केन्द्र (कथकलि) ।

(10) संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्राध्यक्ष महामान्य शेख जैयद बिन सुल्तान अल-नाह्यन के सम्मान में 1 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ । भाग लेनेवाले कलाकार थे - श्रीमती एम0 के0 सरोजा (भरत-नाट्यम्), जगोई मरुप मणिपुरी और भारती, तीर्थ, प्रदीप, शोवना तथा सरस्वती (कत्थक) ।

(11) संयुक्त गणराज्य तंजानिया के संसद् सदस्य, प्रधानमंत्री तथा द्वितीय उपराष्ट्रपति महामहिम श्री रशीदी मफाउमे कवावा के सम्मान में 16 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ । इसमें भाग लेनेवाले कलाकार थे - श्रीमती स्वप्न सुंदरी (कुचिपुडि), माधवी मुद्गल और दुर्गालाल (कत्थक), नाट्य बैले सेन्टर (लोक नृत्य), त्रिवेणी कला संगम (मणिपुरी) ।

(12) पोलिश जनवादी गणराज्य के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री महामहिम जनरल वोयचिक तेरुज़ेल्स्की के सम्मान में 14 फरवरी को अशोक होटल में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ । इसमें भाग लेनेवाले कलाकार थे - श्रीमती एम०के० सरोजा (भरत नाट्यम), जगोई मरुप (मणिपुरी) ।

(13) राजकुलश्रेष्ठ वेल्स के राजकुमार के सम्मान में 21 फरवरी को राष्ट्रपति भवन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ । इसमें भाग लेनेवाले कलाकार थे - यामिनी कृष्णमूर्ति (भरत नाट्यम), जगोई मरुप (मणिपुरी) ब्रजेन मुकर्जी, शोवाना नारायण (कत्थक) ।

(14) आस्ट्रेलिया के गवर्नर जनरल महामहिम माननीय सर जान केर, के० सी० एम० जी०, के० एस-टी० जे०, क्यू० सी० के सम्मान में 27 फरवरी को राष्ट्रपति भवन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ । इसमें भाग लेनेवाले कलाकार थे - राधा और राजा रेड्डी (कुचिपुडि), जगोई मरुप (मणिपुरी) ।

(15) समाजवादी संघीय युगोस्लाविया गणतंत्र की प्रेजिडेन्सी के सदस्य महामहिम श्री विडोजे ज़ारकोविक के सम्मान में 2 मार्च को राष्ट्रपति भवन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ । इसमें भाग लेनेवाले कलाकार थे - कनक श्रीनिवासन (भरत नाट्यम्) और राष्ट्रीय लोकनृत्य मंडली के कलाकार ।

(16) महागरिमामय राजकुमार गुलाम रज़ा पहलवी और महामान्या मनीजेह पहलवी के सम्मान में 3 मार्च को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ । इसमें भाग लेनेवाले कलाकार थे - आलोक पनिकार (ओड़ीसी), महमूद मिर्ज़ा (सितार), कत्थक केन्द्र (कत्थक) ।

पुरस्कार-विजेता स्वर्गीय गोपाल गोविन्द फाटक को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए अकादमी की ओर से 20 मई को एक सार्वजनिक सभा आयोजित की गई। इस प्रतिष्ठित मराठी अभिनेता की स्मृति में नाट्य जगत के जानेमाने स्थानीय विद्वानों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

नाट्य समारोह 1975

8 से 14 फरवरी, 1975 तक सात दिवसीय अखिल भारतीय नाट्य समारोह संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के आदेशानुसार प्रादेशिक राज्य अकादमी - मध्यप्रदेश कला परिषद् - भोपाल के सहयोग से रवीन्द्र भवन, भोपाल में हुआ। भोपाल में इस प्रकार के समारोह करने का निर्णय अकादमी की साधारण परिषद् की सन् 1973 में हुई वार्षिक बैठक में किया गया था।

इसी प्रकार का सात दिवसीय नाट्य समारोह सन् 1972 में दिल्ली में हुआ था जिसमें विभिन्न भाषाओं के अनेक जानेमाने नाट्य दलों ने भाग लिया। रंगमंच को युवा वर्ग के हाथों में सौंपने का सुविचारित फैसला 1972 के समारोह की अद्वितीय बात थी। इसके अतिरिक्त परम्परा से हटकर यह नीति अपनाई गई कि समारोह की टिकटों का मूल्य केवल 3 और 2 रु0 रहे ताकि आर्थिक सहायता से दिखाए जा रहे नाटकों को समाज के सभी आर्थिक वर्गों के लोग देख सकें।

भोपाल के नाट्य समारोह में केन्द्रीय अकादमी तथा राज्य अकादमी दोनों ने आयोजन तथा वित्त दोनों मामलों में सफल भागीदार की भूमिका निभाई। भारतीय नाट्य कला में विभिन्न भाषा-क्षेत्रों द्वारा किए गए आधुनिक योगदान को उद्घाटित करने के लिए ही उक्त समारोह आयोजित किया गया था। भोपाल निवासियों की भाषिक आवश्यकताओं और

विशेषताओं को मुख्यत: ध्यान में रखते हुए ही इस समारोह के लिए भाषाएं चुनी गईं थीं । प्रत्येक नाट्य-प्रदर्शन में रंगशाला दर्शकों से खचाखच भरी रहती थी । समारोह में कुल मिलाकर सात नाट्य मंडलियों ने भाग लिया जिनमें से दो मध्यप्रदेश की थीं और शेष पांच देश के अन्य भागों से आई थीं ।

इस समारोह की अनेक विशेषताएं बेजोड़ थीं । सबसे अधिक उल्लेखनीय विशेषता यही थी कि पहली बार अकादमी का एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक सहायता प्राप्त कला-कार्यक्रम दिल्ली के बाहर रखा गया ।

कुछ समय से अकादमी का ध्यान इस बात की ओर जाने लगा था कि उसकी गतिविधियां दिल्ली तक ही केंद्रित होती जा रही हैं । कई वर्षों से यह देखा जा रहा था कि कला-कार्यक्रमों के लिए अकादमी द्वारा निर्धारित राशि का उपयोग मात्र दिल्ली निवासियों के लिए आर्थिक सहायताप्राप्त कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए किया जाता था । अत: यह सुझाव दिया गया था कि ऐसे कार्यक्रमों का लाभ धीरे-धीरे देश के अन्य भागों तक भी पहुंचाया जाए । भोपाल समारोह ने इस प्रकार के कार्यक्रम के लिए निर्धारित राशि का दिल्ली से बाहर के लोगों को लाभान्वित करने के लिए पहला अवसर दिया । देश के अन्य भागों के लोगों के लिए भी इसी प्रकार के अवसर जुटाने के लिए अकादमी प्रतीक्षा कर रही है ।

इस समारोह ने राज्य स्तर की संस्थाओं को विशेष कर प्रादेशिक राज्य अकादमी को सहायता देने का अवसर भी प्रदान किया । इस समारोह ने केन्द्रीय अकादमी और राज्य अकादमियों में परस्पर सहयोग से काम करने के विचार को बल दिया और समान रुचि के क्षेत्रों में एक-दूसरे पर निर्भर रहने की भावना का और अच्छी तरह बोध कराया ।

संगोष्ठियां और कार्यशालाएं

प्रदर्शन-कलाओं के सैद्धांतिक पक्ष पर यद्यपि अनेक संगोष्ठियां करने के प्रयास हो चुके हैं, तथापि यह अनुभव किया गया कि व्यवहार-कला को लेकर इसी प्रकार की कार्यशालाएं समान उत्साह के साथ आयोजित की जाएं और कार्यरत कलाकारों को अपनी कला के बारे में विचार-विमर्श करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इस   ार को दृष्टि में रखते हुए दो संगोष्ठियां की गईं।

ध्रुपद समारोह एवं संगोष्ठी

एक स्थानीय संस्था के सहयोग से फरवरी, 1975 में वाराणसी में ध्रुपद समारोह एवं संगोष्ठी आयोजित की गई। यह कार्य मुख्यतः बनारस विश्वविद्यालय के संगीत संकाय के डीन और अकादमी के कार्यकारी मंडल के सदस्य डा0 लाल मणि मिश्र के निदेशन में हुआ। इस त्रिदिवसीय समारोह में उत्तर भारत के विभिन्न भागों से बुलाए गए अनेक प्रसिद्ध ध्रुपद गायकों, वीणावादकों और पखावजवादकों ने भाग लिया। यह समारोह उस तुलसी घाट पर हुआ जहां संत कवि तुलसीदास ने अनेक वर्षों तक निवास किया था। इस त्रिदिवसीय समारोह में ध्रुपद के अनेक सम्प्रदायों के गायकों, वीणावादकों और पखावजवादकों ने सारी-सारी रात अपनी कला का प्रदर्शन किया। इसमें श्रोताओं की उपस्थिति भी खूब बढ़-चढ़ कर थी। इसके अतिरिक्त सुबह का समय भाग लेने वालों की परस्पर चर्चा के लिए रखा गया था। यद्यपि ध्रुपद के कुछ तकनीकी पक्षों और इसके इतिहास पर चर्चा की गई, तथापि प्रदर्शन-कलाकारों ने स्वयं यह अनुभव किया कि इस गायन शैली को अधिक प्रोत्साहन मिलना चाहिए और अपने संगीत की परम्परा को बनाए रखने के लिए तथा आधुनिक संगीत को सुदृढ़ आधार प्रदान करने के लिए ध्रुपद की इस गायन शैली के महत्व के प्रति अधिक जागरूकता आनी चाहिए।

इस समारोह के लिए अकादमी ने 10,000 रु0 का अनुदान दिया। इस समारोह एवं संगोष्ठी में अकादमी के प्रतिनिधि के रूप में डा0 बी0सी0 देव, उपसचिव (संगीत) सम्मिलित हुए। समारोह की संपूर्ण कार्यवाही अभिलेखबद्ध कर ली गई है।

खयाल पर कार्यशाला

बंबई विश्वविद्यालय के संगीत केन्द्र के सहयोग से अकादमी ने 23 से 26 मार्च, 75 तक हिन्दुस्तानी शास्त्रीय खयाल पर एक कार्यशाला चलाई। इस कार्यशाला में विभिन्न घरानों के संगीतज्ञों ने भाग लिया और खयाल की शैली और प्रस्तुतीकरण के बारे में एक व्यवहार्य आधार या स्वरूप पर पहुंचने का प्रयत्न किया।

पहले दिन श्री सरत् साठे और श्रीमती लक्ष्मी शंकर ने ख्याल और राग के बारे में निबंध पढ़े। जिन विभिन्न समस्याओं पर विचार किया गया वे इस प्रकार हैं: क्या खयाल की शैली राग की संकल्पना से जटिल रूप में जुड़ी हुई है, क्या सभी रागों में खयाल गाया जा सकता है आदि-आदि। इस सत्र के समाहर्ता थे श्री वामन राव देशपांडे।

दूसरे दिन श्री सी0 आर0 व्यास ने ख्याल, लय और ताल पर निबंध पढ़ा। प्रो0 बी0 आर0 देवधर ने इस दिन अध्यक्षता की। इस निबंध में उन आधारों पर विचार किया गया था जो किसी खयाल की विशिष्ट लय और ताल का निर्धारण करते हैं। चर्चा का विषय यह भी था कि विभिन्न तालों और लयों में बदलने पर क्या ख्याल का रूपात्मक सौंदर्य नष्ट हो जाता है।

तीसरे दिन श्रीमती ललिता राव और पं0 दिनकर कैकिणी ने ख्याल के ध्रुपद, ठुमरी, टप्पा और ख्याल-नामा के साथ संबंधों के विषय पर निबंध पढ़े। प्रो0 वी0आर0 आठवले ने इस दिन अध्यक्षता की।

चौथे दिन श्री रमेश नाडकर्णी के निबंध का विषय था ख्याल का प्रस्तुतीकरण । डा0 बी0 सी0 देव ने अध्यक्षता की । विभिन्न घरानों के प्रस्तुतीकरण गत शैली-भेदों की समस्याओं पर विचार किया गया ।

सभी व्याख्यानों के साथ-साथ संबंधित प्रदर्शन भी प्रस्तुत किए गए ।

तीसरे पहर विशेष श्रवण सत्रों की व्यवस्था की गई जिनमें संगीत नाटक अकादमी में उपलब्ध दुर्लभ रिकार्ड सुनाए गए । इन सत्रों में श्रोताओं की संख्या काफी रही । सांध्यकालीन सत्रों में श्रीमती कमल तांबे, पं0 यशवंत जोशी, पं0 शरद् चंद्र अरोलकर, उस्ताद लताफत हुसैन और श्रीमती किशोरी अमोनकर के समवेत कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए । अंतिम दिन समापन समारोह हुआ जिसका समापन भाषण बंबई विश्वविद्यालय के कुलपति ने दिया और अध्यक्षता प्राचार्य डा0 टी0 के0 टोपे ने की । अकादमी के उपाध्यक्ष श्री पी0 एल0 देशपांडे, अकादमी के उपसचिव (संगीत) डा0 बी0 सी0 देव तथा बंबई विश्वविद्यालय के संगीत केन्द्र के प्रो0 अशोक रानाडे ने इस प्रकार की कार्यशालाओं की उपयोगिता पर संक्षिप्त प्रकाश डाला और भावी कार्यशालाओं की योजना भी बनाई ।

अकादमी का कला समारोह

पहले की ही तरह इस बार भी अकादमी ने अपने वार्षिक पुरस्कार समारोह के अवसर पर नृत्य, नाटक और संगीत का पांच दिवसीय समारोह किया जिसमें कुछ प्रतिष्ठित कलाकारों की कला का प्रदर्शन किया गया । समारोह में श्रीमती एम0 एस0 सुब्बु लक्ष्मी (कंठ), श्री एम0डी0 रामनाथन (कंठ), श्री कुमार गंधर्व (कंठ), श्री निखिल बैनर्जी (सितार) और श्री टी0 एन0 कृष्णन (वायलिन) के संगीत कार्यक्रम सम्मिलित थे । सांध्य कार्यक्रमों में एक कार्यक्रम यह था कि लोक नृत्यों में अकादमी के पुरस्कार विजेता श्री भगवान साहु के नेतृत्व में उड़ीसा का एक दल उड़ीसा के लोक गीत प्रस्तुत

करता था । श्री प्राणसुख नायक सुप्रसिद्ध गुजराती नाटक 'मिथ्याभिमान' में और छत्तीसगढ़ के एक रंगमंचीय रूप पांडवनी में अकादमी के पुरस्कार विजेता श्री पुना राम निषाद महाभारत की सोलो प्रस्तुति में पेश किए गए । रंगमंच तकनीक के लिए पुरस्कार विजेता श्री तापस सेन का कौशल एक कठपुतली खेल 'अलादीन' में देखा गया । इसका मंचन कलकत्ता कठपुतली थियेटर द्वारा किया गया । कथकलि के लिए पुरस्कार विजेता श्री टी0 टी0 रामन कुट्टी नायर को एक कथकलि नाटक 'लवणासुरवधम' में प्रस्तुत किया गया ।

ये त्योहार-कार्यक्रम जनता के लिए प्रदर्शित किए गए थे । विशाल संख्या में लोगों ने इन्हें देखा ।

योजनांतर्गत कार्यक्रम

सितम्बर, 1974 में सरकार से अनुमोदन मिल जाने के बाद अकादमी इस वर्ष भी उन्हीं योजनाओं को कार्यान्वित करती रही जो चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान चालू थीं । पांचवी पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष (1974-75) में कार्यान्वित की जानेवाली योजनाएं इस प्रकार हैं :-

1. प्रलेखन, अनुसंधान और पुरालेखागार का निर्माण;
2. संगीत-शास्त्र अनुसंधान एकक,
3. संगीत, नृत्य और नाटक में विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए अध्येता-वृत्तियां (फैलोशिप) प्रदान करना ।

वर्ष 1974-75 के लिए 3,60,000 रु0 की राशि का प्रावधान किया गया । इस वर्ष का वास्तविक व्यय 1,81,180 रुपए था ।

1. प्रलेखन, अनुसंधान और पुरालेखागार का निर्माण

इस वर्ष योजनान्तर्गत प्रलेखन एकक ने विभिन्न जनजातीय और गैर-जनजातीय लोक नृत्यों और संगीत का संग्रह करने के लिए अरुणाचल प्रदेश

और असम के कुछ क्षेत्रों के विस्तृत दौरे किए । अरुणाचल प्रदेश के सांस्कृतिक दृष्टि से अनन्वेषित क्षेत्रों में यह एकक उस अन्तिम छोर तक गया जहां तक जीप द्वारा यात्रा संभव थी, और इसने निशि, अपातानी, आदी, टंगशा और वंगनी जनजातियों के विभिन्न वर्गों के बीच जाकर कार्य किया ।

प्रतिवेदनाधीन अवधि में कुछेक मान्यता प्राप्त लोकदल दिल्ली आए । इस अवसर का लाभ उठाकर कुछ दुर्लभ सांस्कृतिक रूपों का (यथा मध्यप्रदेश का पांडवनी गाथा गीत, पंथी गीत तथा नृत्य एवं छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत, आंध्र प्रदेश का वोगुकथा गाथागीत और टूर्प भागवतम् आदि का) अकादमी के स्टूडियो में प्रलेखन किया गया ।

इस प्रलेखन से अकादमी के पुरालेखागार अभिलेखन अनुभाग द्वारा की गई भारत के थियेटर-संगीत, भूटान के लोकगीत और नृत्य, रस और श्रुति संबंधी एक वार्ता, संगीत-मनोविज्ञान संबंधी संगोष्ठी की कार्यवाही आदि की 23 घंटे की रिकार्डिंग के अतिरिक्त दुर्लभ लोकसंगीत और गाथागीतों का आठ घंटे का अभिलेखन भी संगृहीत हो गया ।

फिल्म और फोटोग्राफी अनुभाग ने पुरालेखागार में अरुणाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश और हिमाचल प्रदेश के लोक एवं जनजातीय नृत्यों की तथा उत्तर प्रदेश की छड़चालित कठपुतलियों की रंगीन और सादी फिल्मों और छायांकनों (फोटोग्राफों) की वृद्धि की । इसके अतिरिक्त अकादमी के विभिन्न समारोहों यथा बनारस में ध्रुपद समारोह, दिल्ली में मुत्तुस्वामी दीक्षितार समारोह तथा मध्य प्रदेश की लोक कलाओं आदि के बहुत सारे रंगीन और सादे चित्र भी अकादमी के पुरालेखागार में संगृहीत कर लिए गए हैं ।

संगीत वाद्यों के संग्रहालय आसावरी में और मुखौटों, कठपुतलियों और पोशाकों की दीर्घा यवनिका में विदेशी और भारतीय पर्यटक निरन्तर आते रहे । स्थानीय विद्यालयों ने छात्र-समूह भेजे जो इन आयोजित पर्यटनों से

लाभान्वित हुए । विदेशों से आए सम्मानित अतिथियों, लब्ध प्रतिष्ठ विद्वानों, प्रतिनिधियों और संगीतशास्त्रियों के लिए विशेष रूप से निर्देशित पर्यटनों का भी आयोजन किया गया ।

'भारत में संगीत जीवन' के पक्षों को चित्रित करने वाली एक छोटी सी प्रदर्शनी भारत सरकार के संस्कृति विभाग की ओर से अगस्त, 1974 में पर्थ (आस्ट्रेलिया) भेजी गई । यह आयोजन 'अन्तर्राष्ट्रीय संगीत शिक्षा समिति' के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर किया गया था ।

2. <u>संगीत विज्ञान में अनुसंधान</u>

संगीत नाटक अकादमी जैसी राष्ट्रीय संस्था के लिए यह तो अत्यधिक महत्त्वपूर्ण और आवश्यक है कि वह देश की पारम्परिक संस्कृति के परिरक्षण और पोषण का दायित्व अपने ऊपर ले, साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि वह संगीत शास्त्र के क्षेत्र में आधुनिक संकल्पनाओं और प्रविधियों को लागू करने के लिए नए आधारों और परिप्रेक्ष्यों के साथ-साथ रचनात्मक अनुसंधान में भी पहल करे ।

इस बात को ध्यान में रखते हुए तथा विगत वर्षों में किए गए कार्य का अनुसरण करते हुए निम्नलिखित कार्यक्रम पूरे किए गए -

(i) संगीत-स्वरग्राम और उनका वैज्ञानिक अन्वेषण विषयक एक संगोष्ठी 30 दिसम्बर, 1974 को मद्रास संगीत अकादमी में हुई । संगीत नाटक अकादमी ने इसका प्रायोजन किया था । इसमें जिन विद्वानों ने कला-प्रदर्शन के साथ-साथ अपने विचार प्रकट किए वे हैं : डा० एच० वी० मोडक (पूना), डा० एस० रामनाथन (मदुरै), श्री एस० रामनाथन (तिरुचिरापल्ली), श्री गुरुबख्श सिंह (दिल्ली), और श्री रवि वेन्क्रेकर (बम्बई) । डा० बी० सी० देव इस संगोष्ठी के समाहर्ता थे ।

(ii) अकादमी ने पूना विश्वविद्यालय में प्रायोगिक मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से पूना में 12 जनवरी से 15 जनवरी, 1975 तक 'संगीत मनोविज्ञान' विषय पर एक सर्वाधिक सफल संगोष्ठी का आयोजन किया । इसका उद्घाटन पूना विश्वविद्यालय के निवर्तमान कुलपति डा० जी० एस० महाजनी ने किया तथा समापन-भाषण वहां के आगंता कुलपति प्रो० डाणेरकर ने दिया । देश के विभिन्न भागों से आए लगभग 17 विद्वानों ने संगीत-मनोविज्ञान के विभिन्न पक्षों पर शोध-निबंध प्रस्तुत किए । संगोष्ठी में चर्चित कुछ विषय थे : संगीत का प्रत्यक्षण, सौंदर्यात्मक व्यवहार का विश्लेषण, संगीत में मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का संभावना क्षेत्र, संगीत के प्रति आशंसात्मक अनुक्रिया, संगीत-योग्यता की विरासत, ताल का मन: सौंदर्यात्मक अध्ययन, संगीत में मनोविश्लेषण, हिन्दुस्तानी रागों का भावात्मक विश्लेषण, सांगीतिक कल्पना की प्रकृति, संगीतात्मक सर्जनशीलता के मनोवैज्ञानिक सह-संबंध, संगीत-चिकित्सा, प्राचीन भारतीय सौन्दर्यशास्त्र, योग में संगीत, रागों की मनोवैज्ञानिक अनुक्रियाओं का प्रायोगिक अध्ययन, संगीत और मानसिक मंदन तथा भारतीय परम्परा में राग ।

इस संगोष्ठी में लगभग 200 आमंत्रित व्यक्तियों ने पूरे उत्साह से पूर्वाह्न और अपराह्न के दोनों सत्रों में भाग लिया । संगोष्ठी में बहुत सी रचनात्मक चर्चाएं हुई । समाचार पत्रों में इस नए कार्यक्रम की अत्यधिक प्रशंसा की गई । संगोष्ठी में सर्वसम्मति से यह सिफारिश की गई कि संगीतशास्त्र के इस नए प्रकार के महत्त्व को देखते हुए संगीतविज्ञान में सावधिक कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता रहना चाहिए । इस सिफारिश के अनुपालन में 1975-76 के दौरान संगीत-विज्ञान की एक कार्यशाला करने का प्रस्ताव है ।

संगोष्ठी की सारी कार्यवाही अभिलिखित कर ली गई है ।

(iii) कलकत्ता की 'सर्जना' को संगीत स्वरग्रामों के बारे में और विशेषकर मूर्छना-प्रणाली के बारे में अनुसंधान के लिए संगीत नाटक अकादमी ने पहले ही अनुदान दिया था। इसने संगीत संबंधी अपने अनुसंधान के निष्कर्षों को प्रस्तुत करने के लिए मार्च 1975 में दो दिन की एक संगोष्ठी का आयोजन किया। यह अनुसंधान-योजना सीधे श्री के० के० वर्मा के अधीन थी। सर्वश्री ज्ञान प्रकाश घोष, वी० जी० जोग, कल्याणी राय जैसे विख्यात संगीतज्ञों एवं अन्यों ने इस प्रदर्शन-संगोष्ठी में भाग लिया। डा० बी० सी० देव, सहायक सचिव (संगीत) अकादमी की ओर से इस संगोष्ठी में सम्मिलित हुए।

<u>प्रकाशन</u>

निम्नलिखित प्रतिवेदन प्रकाशित हुए हैं :

(1) अनुसंधान प्रतिवेदन-संख्या 1 : यह रिपोर्ट हारमोनियम पर श्रुति-स्वरग्राम तथा श्रुति वीणा पर अकादमी द्वारा किए गए प्रयोगों से सम्बद्ध है।

(2) अनुसंधान प्रतिवेदन-संख्या 2 : इसमें रागों की मनोवैज्ञानिक अनुक्रियाओं के संबंध में डा० बी० सी० देव, सहायक सचिव (संगीत) और श्री के० जी० विरमानी द्वारा किए गए प्रयोगों के संक्षिप्त परिणाम दिए गए हैं।

(3) संगीत-मनोविज्ञान पर पूना में जनवरी 1975 में आयोजित संगोष्ठी में पढ़े गए शोध-निबंधों के सार-संक्षेप।

(4) संगीत-मनोविज्ञान की उत्कृष्ट ग्रन्थ-सूची।

3. <u>संगीत, नृत्य और नाटक में विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए अध्येतावृत्ति</u>

यह योजना जो चौथी पंचवर्षीय योजना की परियोजनाओं का ही अंग थी, इस वर्ष चालू नहीं की जा सकी क्योंकि चौथी पंचवर्षीय योजना की

योजनाओं को चालू रखने और पांचवी पंचवर्षीय योजना की नई योजनाओं पर सरकार की अनुमति वर्ष के अन्त में प्राप्त हुई ।

4. नई योजनाएं

वर्ष 1975-76 के दौरान कार्यान्वित की जाने वाली निम्नलिखित नई योजनाओं पर दिसम्बर 1974 में भारत सरकार की अनुमति प्राप्त हुई :

(i) परम्परागत प्रदर्शन-कलाओं के दुर्लभ रूपों का संवर्धन और परिरक्षण;

(ii) कत्थक केन्द्र से संबद्ध बैले एकक की स्थापना और तत्संबंधी पुस्तिकाओं का प्रकाशन;

(iii) जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल से संबद्ध बैले एकक की स्थापना और तत्संबंधी पुस्तिकाओं का प्रकाशन ।

नेशनल स्कूल आफ ड्रामा और एशियन थियेटर इंस्टीट्यूट

1. अन्तिम परीक्षाएं

स्कूल ने 1974 के अप्रैल । मई में अन्तिम डिप्लोमा परीक्षाएं ली जिनमें निम्नलिखित परीक्षार्थी सफल रहे :-

निर्देशन पाठ्यक्रम

1. कु0 सबा ज़ैदी
2. श्री जे0 एस0 हलंगडी - सर्वोत्तम निर्माण पुरस्कार विजेता

अभिनय पाठ्यक्रम

1. कु0 रोहिणी ओक - सर्वोत्तम अभिनेत्री और सर्वतोमुखी प्रतिभाशाली छात्रा घोषित की गई ।

2. कु0 श्रेष्ठ टक्कर

3. श्री राजेश विवेक

4. श्री आर0 के0 थियम

रंगशिल्प पाठ्यक्रम

1. श्री एस0 ए0 एम0 कादरी

2. श्री शरद् व्यास

2. नए दाखिले

जुलाई में शैक्षिक वर्ष शुरू होने पर तीन साला डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 24 विद्यार्थी चुने गए । इनमें से नौ छात्रों को स्कूल ने छात्रवृत्तियां दीं । भारत सरकार के संस्कृति विभाग की ओर से तीन, कला परिषद्, दिल्ली से दो और उत्तर प्रदेश अकादमी, गोआ अकादमी तथा हरियाणा सरकार से एक-एक छात्र भेजे गए । सात विद्यार्थियों ने अपना खर्च स्वयं वहन किया । ये छात्र निम्नलिखित क्षेत्रों से थे :

पंजाब	:	2
गुजरात	:	1
जम्मू-कश्मीर	:	2
उत्तरप्रदेश	:	3
उड़ीसा	:	1

मध्यप्रदेश	:	1
हिमाचल प्रदेश	:	1
तमिलनाडु	:	1
गोआ	:	1
दिल्ली	:	3
केरल	:	3
हरियाणा	:	1
नेपाल	:	1
बंगला देश	:	2
मारिशस	:	1
	कुल	24

3. पुरानाकिला थियेटर में ग्रीष्म-समारोह

नए वित्त-वर्ष के आरम्भ में पुराना किला थियेटर में तीन नाटक प्रस्तुत किए गए। यह एक खुला और बहु-स्तरीय थियेटर है जिसका अभिकल्पन स्कूल के निदेशक ने तैयार किया और निर्माण कार्य स्कूल की कार्यशाला द्वारा किया गया। देश में अपने प्रकार का यह पहला थियेटर है।

18 अप्रैल से 8 मई, 1974 तक श्री इब्राहिम अल्काज़ी के निर्देशन में तीन नाटक प्रस्तुत किए गए। प्रत्येक नाटक आठ-आठ बार अभिनीत किया गया। ये नाटक हैं :

1. तुगलक 18 अप्रैल से 25 अप्रैल

2. अंधा युग 28 अप्रैल से 5 मई

3. सुल्ताना रज़िया 8 मई से 15 मई

इस समारोह में विशाल संख्या में दर्शक आए और यह अत्यधिक सफल रहा ।

4. अन्य प्रस्तुतियां

1974-75 के दौरान इस स्कूल की गतिविधियों की संख्या बहुत अधिक और अपूर्व रही । पुराना किला थियेटर में प्रस्तुत प्रदर्शनों के अलावा निम्नलिखित नाटकों का निर्माण किया गया और वे रंगमंच पर अभिनीत भी हुए :

(i) लुक बैक इन एंगर (हिन्दी) लेखक जान आसबोर्न

श्री इब्राहिम अल्काज़ी के निर्देशन में स्कूल की नाटक कंपनी ने जान आसबोर्न के प्रसिद्ध नाटक 'लुक बैक इन एंगर' को 16 बार रंगमंच पर प्रस्तुत किया । इस नाटक को जनता की मांग पर बार-बार अभिनीत किया गया ।

(ii) सूरज का सातवां घोड़ा (हिन्दी) - धर्मवीर भारती

स्कूल के खुले थियेटर में यह नाटक छह बार अभिनीत किया गया । इसका निर्देशन श्री राजिन्दर नाथ ने किया था ।

(iii) सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक (हिन्दी) - सुरेन्द्र वर्मा

यह नाटक 16 बार स्कूल के स्टूडियो थियेटर में और एक बार हिन्दू कालेज में प्रस्तुत किया गया । इसका निर्देशन स्कूल के एक भूतपूर्व स्नातक श्री रामगोपाल बजाज ने किया था ।

(iv) मृच्छकटिक (मिट्टी की गाड़ी)

शूद्रक के संस्कृत नाटक 'मृच्छकटिकम्' के श्री मोहन राकेश द्वारा किए गए अनुवाद 'मिट्टी की गाड़ी' का निर्देशन श्री इब्राहिम अल्काज़ी ने किया। गांधी मेमोरियल हाल में यह नाटक तीन बार खेला गया।

(V) तिलचट्टा (हिन्दी) - मुद्रा राक्षस

इस नाटक का निर्देशन स्कूल की नाटक कंपनी के एक सदस्य श्री राजन सबुबरवाल ने किया। स्कूल के स्टूडियो थियेटर में यह नाटक चार-बार प्रस्तुत किया गया।

(VI) शायद (हिन्दी) - मोहन राकेश

इसका निर्देशन स्कूल की नाटक कंपनी के सदस्य श्री राजन सबुबरवाल ने किया। स्कूल के स्टूडियो थियेटर में यह एक बार अभिनीत किया गया।

(VII) परछाइयाँ - साहिर लुधियानवी

स्कूल के भूतपूर्व स्नातक श्री एम0 के0 रैना ने इसका निर्देशन किया। स्कूल के स्टूडियो थियेटर में यह एक बार प्रस्तुत किया गया।

(VIII) काव्य-पाठ : स्कूल की नाटक कंपनी ने श्री रघुवीर सहाय और श्री सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविताओं को नाटकीय रूप में प्रस्तुत करने का एक कार्यक्रम आयोजित किया। जनता के लिए स्टूडियो थियेटर में ऐसे दो कार्यक्रम किए गए।

(IX) थ्री टेक्स्ट्स इन सोलिट्यूड (हिन्दी) - निर्मल वर्मा

इस नाटक का निर्देशन श्री आर0 अंकुर ने किया। स्कूल के स्टूडियो में यह जनता के लिए ग्यारह बार अभिनीत किया गया।

5. कक्षा-प्रस्तुतियों के रूप में निम्नलिखित दो नाटकों का निर्देशन श्रीमती शीला वत्स ने किया :

(i) बहुत बड़ा सवाल - मोहन राकेश

(ii) छोटी बड़ी टांग का जांघिया - विपिन कुमार अग्रवाल

6. छात्रों द्वारा प्रस्तुत नाटक

स्कूल के छात्रों ने अपनी परीक्षा-प्रस्तुतियों के रूप में निम्नलिखित नाटकों का निर्देशन किया :

(i) डम्ब वेटर (हिन्दी) निर्देशन - अशोक मंडन

(ii) राइडर्स टू द सी (हिन्दी) - लेखक : जे0 एम0 सिंज,

अनुवादक - बेगम रज़िया, सज्जाद ज़हीर; निर्देशक - प्रसन्न कुमार स्कूल के स्टूडियो-थियेटर में यह नाटक दो बार खेला गया ।

(iii) एल्बर्ट्स ब्रिज (हिन्दी) - लेखक - टाम स्टापर्ड

अनुवादक - रंजीत कपूर; निर्देशक - अशोक मंडन। स्कूल के स्टूडियो थियेटर में एक बार अभिनीत किया गया ।

(IV) पोस्ट-मार्टम (हिन्दी) इसका निर्देशन एस0बी0 कुलकर्णी ने किया । स्कूल के स्टूडियो थियेटर में यह नाटक एक बार प्रस्तुत किया गया ।

(V) द बिस्पोक ओवर-कोट (हिन्दी) - इस नाटक का निर्देशन द्वितीय वर्ष के एक छात्र श्री पवन मसखारा ने किया । स्कूल के स्टूडियो थियेटर में यह एक बार खेला गया ।

(VI) कबर (बंगाली) लेखक - मुनीर चौधरी । इसका निर्देशन स्कूल के द्वितीय वर्ष के छात्र श्री अहमद मुनीर ने किया । स्कूल के स्टूडियो थियेटर में यह नाटक एक बार प्रस्तुत किया गया ।

7. व्याख्यान-प्रदर्शन

छात्रों को नाटक तथा उससे अन्य सम्बद्ध पक्षों से अवगत होने का अवसर प्रदान करने के लिए स्कूल ने इस वर्ष निम्नलिखित विख्यात व्यक्तियों को व्याख्यान प्रदर्शनों के लिए आमंत्रित किया :

(i) अमेरिका में आधुनिक नृत्य की स्थिति : व्याख्याता : प्रो० मिस एवेलिन

स्कूल के छात्रों के अलावा लब्धप्रतिष्ठ नर्तकों ने भी यह वार्ता सुनी ।

(ii) भारतीय रंगमंच पर व्याख्यान : इब्राहिम अल्काज़ी

स्कूल के निदेशक श्री इब्राहिम अल्काज़ी ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला संस्था में 'भारतीय रंगमंच' पर एक व्याख्यान दिया । इसे स्कूल के छात्रों और स्टाफ के सदस्यों ने भी सुना ।

(iii) पर्यावरणात्मक रंगमंच पर व्याख्यान : डा० ब्रुक्स मेकनमारा

(iv) संस्कृत नाटकों का रंगमंचीय प्रस्तुतीकरण :

इस विषय पर डा० (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन ने तीन व्याख्यान दिए ।

(v) नाट्यशास्त्र पर व्याख्यान

आचार्य बृहस्पति ने नाट्यशास्त्र पर चार व्याख्यान दिए ।

(VI) भारतीय महिलाएं और सामाजिक परिवर्तन : इस विषय पर श्रीमती ज़रीना भट्टी ने दो व्याख्यान दिए ।

(VII) आशंका के द्वीप : स्कूल ने गजानन माधव मुक्तिबोध की प्रसिद्ध कविता 'अंधेरे में' के दो प्रदर्शनों का भी आयोजन किया । इसकी परिकल्पना एवं प्रस्तुतीकरण श्री विजय सोनी ने किया ।

(VIII) रंगारंग कार्यक्रम : स्कूल के छात्रों ने देश के प्रादेशिक गीतों और लोक नृत्यों का एक रंगारंग सांध्यकालीन कार्यक्रम प्रस्तुत किया ।

(IX) स्कूल की रंगशाला (आडिटोरियम) में 'पैंटर्ज पैंटिंग' पर एक फिल्म दिखाई गई ।

8. अमरीकी रंगमंच-चर्चा में भाग लेना :

फरवरी 1975 में स्कूल ने रवीन्द्र भवन में हुई अमरीकी रंगमंच-चर्चा में भाग लिया ।

9. पर्यटन

इस वर्ष स्कूल ने निम्नलिखित पर्यटन कार्यक्रम आयोजित किए :

(i) उज्जैन-भ्रमण

कालिदास समारोह समिति ने स्कूल को उज्जैन में एक संस्कृत नाटक के प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया । मोहन राकेश द्वारा अनूदित और श्री इब्राहिम अल्काज़ी द्वारा निर्देशित शूद्रक का नाटक 'मृच्छकटिकम् (मिट्टी की गाड़ी)' कालिदास-समारोह में प्रस्तुत किया गया । इसे पंद्रह हजार से भी अधिक व्यक्तियों ने देखा ।

(ii) हरियाणा-भ्रमण

हरियाणा सरकार के निमंत्रण पर स्कूल ने 4 मार्च से 24 मार्च तक 21 दिन का इन दस नगरों का दौरा किया : चंडीगढ़, अम्बाला, यमुना नगर, कुरुक्षेत्र, राई, रोहतक, हिसार, भिवानी, गुड़गांव, फिरोजपुर, फिरका । इन 21 दिनों में स्कूल ने तीन नाटकों के 24 प्रदर्शन किए जिन्हें पचास हजार से भी अधिक व्यक्तियों ने देखा । ये नाटक थे : 'मिट्टी की गाड़ी', 'सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक', और 'लुक बैक इन एंगर' (उर्दू) । इस भ्रमण का उद्देश्य विविध प्रकार के दर्शकों (जैसे ग्रामीण जनसमुदाय, फैक्ट्री कामगार, विश्वविद्यालय के छात्र और उन मुफस्सल कस्बों के दर्शक जिन्होंने मुश्किल से ही किसी थियेटर के दर्शन किए होंगे) के लिए आयोजित प्रस्तुतियों के माध्यम से रंगमंच को जनता तक ले जाना था । ऐसे आयोजन छात्रों को विस्तृत व्यावसायिक अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ रंगमंच पर उनके भावी कार्य-जीवन की आधारशिला को भी मजबूत बनाते हैं ।

इसके अतिरिक्त छात्रों ने उन क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक समस्याएं भी देखीं । इससे उन्हें रंगमंच को उन समुदायों के जीवन के संदर्भ में यथार्थ रूप में समझ सकने में सहायता मिली ।

प्रदर्शनों का विवरण इस प्रकार है :-

मिट्टी की गाड़ी (मृच्छकटिकम्)	10 शहरों में 13 प्रदर्शन
सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक	5 शहरों में 5 प्रदर्शन
लुक बैक इन एंगर	5 शहरों में 5 प्रदर्शन
एल्बर्टा ब्रिज	एक शहर में एक प्रदर्शन

10. अम्बाला और करनाल में खुला थियेटर

निदेशक श्री इब्राहिम अल्काज़ी ने अम्बाला के लिए दो तथा करनाल के लिए एक खुले थियेटर का अभिकल्प तैयार किया । इस कार्य में उन्हें स्टाफ़-सदस्य श्री टी० एल० शर्मा, और दो छात्रों - अहमद मुनीर और जी० एस० मराठे - ने सहायता दी ।

11. मध्यप्रदेश लोकनृत्य और संगीत-नाटक दल

संगीत और नाटक प्रभाग के सहयोग से स्कूल ने अपने खुले थियेटर में मध्यप्रदेश लोकनृत्य और संगीत नाटक दल द्वारा गीत, नृत्य और संगीत-नाटक का एक सांध्यकालीन कार्यक्रम आयोजित किया ।

12. तमना लाई एवं काबुई केइदोवा एवं लोमदोन मेइराउबी

स्कूल ने अपने खुले थियेटर में मणिपुर राज्य कला अकादमी का एक कार्यक्रम आयोजित किया ।

स्कूल की स्वतंत्र सत्ता

संगीत नाटक अकादमी की साधारण परिषद् ने 19 दिसम्बर, 1974 को हुई अपनी बैठक में यह स्वीकार कर लिया कि नेशनल स्कूल आफ़ ड्रामा को स्वायत्तता प्रदान की जाए । अब यह स्कूल भारत सरकार के संस्कृति विभाग के अधीन एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करेगा ।

कत्थक केन्द्र

केन्द्र के नए निदेशक ने 12 अगस्त, 1974 को कार्यभार संभाला । वे आकाशवाणी के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं ।

केन्द्र की परामर्शदात्री समिति में एक परिवर्तन हुआ । श्री एस0 के0 सक्सेना द्वारा त्यागपत्र दिए जाने पर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो0 लालमणि मिश्र उनके स्थान पर सदस्य नियुक्त किए गए ।

पश्चिम बंगाल, पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर से एक-एक छात्र ने तीन साला डिप्लोमा कोर्स के प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया ।

नौ छात्रों ने विशिष्ट पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया । छह छात्र बीच में ही छोड़ कर चले गए ।

प्रारम्भिक पाठ्यक्रम में 17 छात्र भर्ती किए गए किन्तु 8 छात्र बाद में छोड़कर चले गए ।

एक विदेशी छात्र ने पखावज के विशिष्ट पाठ्यक्रम में और एक छात्र ने संगीत (ठुमरी) पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया ।

विदेशी छात्र ईरान, त्रिनिडाड, मारिशस, गुयाना और हालैंड के थे । वर्ष 1974-75 में कुल 55 (विदेशी) छात्र थे ।

<u>तीनसाला डिप्लोमा कोर्स</u>

केन्द्र की छात्रवृत्ति पर	7	
निःशुल्क विद्यार्थी के रूप में	1	
भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् की छात्रवृत्ति पर (विदेशी छात्र)	1	
अन्य	2	
विदेशी छात्र	1	12

<u>विशिष्ट पाठ्यक्रम (नृत्य)</u>

भारत सरकार की छात्रवृत्ति पर	5	
विदेशी छात्र	3	
अन्य	10	18

प्रारम्भिक पाठ्यक्रम		
नि:शुल्क विद्यार्थी के रूप में	1	
अन्य	22	23
विशिष्ट पाठ्यक्रम (ठुमरी)	1	
विशिष्ट पाठ्यक्रम (पखावज)	1	2
	कुल	55

चार छात्रों ने तीन साला डिप्लोमा कोर्स सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। वार्षिक परीक्षाओं में नृत्य और संगीत के लिए एक-एक बाह्य परीक्षक, क्रमश: श्रीमती कुमुदिनी लखिया (अहमदाबाद) और श्रीमती सुमति मुटाटकर (डीन, संगीत और ललित कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली) नियुक्त किए गए।

दिल्ली प्रशासन ने 250 रु0 प्रति मास की एक छात्रवृत्ति दिल्ली के छात्र के लिए निश्चित की है। यह छात्रवृत्ति अगले वर्ष से दी जाएगी।

स्टाफ

श्री बिरजु महाराज	कत्थक गुरु
श्री कुंदन लाल गंगानी	कत्थक गुरु
श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी	वाद्य शिक्षक
श्री पुरुषोत्तम दास	पखावज शिक्षक
श्री मणिका प्रसाद मिश्र	तबला शिक्षक
श्रीमती रेबा विद्यार्थी	कत्थक शिक्षक

बैले (नृत्य रूपक) एकक

बैले एकक ने जनवरी 1975 में एक समारोह का आयोजन किया ।

इस एकक ने इस वर्ष निम्नलिखित कार्यक्रम प्रस्तुत किए :

11-8-1974	दूरदर्शन केन्द्र में
4-11-1974	ईरान के शहंशाह के जन्मदिन के अवसर पर सप्रू हाऊस में ।
1-1-1975	'संयुक्त अरब अमीरात' के राष्ट्राध्यक्ष महामान्य शेख जैयद बिन सुल्तान अल-नाह्यान के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में।
3-3-1975	महागरिमामय गुलाम रज़ा पहलवी के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में ।
4-3-1975	दूरदर्शन केन्द्र में
19-1-1975 से 24-1-1975	समारोह जनवरी 19-20 मालती माधव जनवरी 21-22 शाने-अवध जनवरी 23-24 कुमार संभव

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, संगीत नाटक अकादमी का ही एक अंग है । इसका संचालन सीधा अकादमी द्वारा ही किया जाता है । इस अकादमी को अपने रख-रखाव के लिए संगीत नाटक अकादमी से 1,60,000 रु0 की राशि प्राप्त हुई । इसने वर्ष 1975-76 के दौरान हाथ में ली जाने वाली विशिष्ट परियोजनाओं के लिए 10,000 रु0 के अनुदान के लिए राज्य कला अकादमी, मणिपुर को भी प्रार्थना-पत्र भेजा ।

परामर्शदात्री समिति

अकादमी की नीतिनिर्धारण विषयक स्थानीय परामर्शदात्री समिति का अप्रैल, 1974 में पुनर्गठन हुआ । अब इसमें निम्नलिखित सदस्य हैं :-

श्री एल0 पी0 सिंह, गवर्नर, मणिपुर	अध्यक्ष
श्री ई0 नीलकांत सिंह, सचिव, मणिपुर राज्य कला अकादमी	उपाध्यक्ष
श्री एच0 रणबीर सिंह, शिक्षा सचिव, मणिपुर सरकार	सदस्य
श्री ए0 मीनकेतन सिंह	
प्रो0 गंगमूमेई काबुई	
श्री आर0 के0 प्रियगोपालसन, प्राचार्य, जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी	
श्री एम0 कुलासिंह, अध्यापक-प्रतिनिधि	
श्रीमती एम0के0 विनोदिनी देवी, सचिव, जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी	

स्टाफ

अकादमी में 15 शिक्षक हैं और अकादमी पुरस्कार-विजेता गुरु हाओबम आतोम्बा सिंह के निधन के पश्चात् अतिथि गुरु का स्थान अभी तक खाली पड़ा है ।

छात्रवृत्ति-योजना

प्रतिवर्ष पांच योग्य छात्रों को सौ-सौ रु0 प्रतिमास की छात्रवृत्तियां प्रदान करने की योजना 1969 से ही कार्यान्वित की जा रही है । योग्य

छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अब इस योजना के अन्तर्गत योग्यता-छात्रवृत्तियां -छह छात्रवृत्तियां डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए और दो छात्रवृत्तियां प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के लिए - भी शामिल कर ली गई हैं । ये छात्रवृत्तियां परिमल अकादमी, बम्बई द्वारा दान स्वरूप दी गई रु0 20,700 की राशि के संचित व्याज में से दी जाती है । सविता एन0 मेहता द्वारा प्रदत्त स्वर्ण पदक तीन साला डिप्लोमा कोर्स के अंतिम वर्ष में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र को दिया जाता है ।

परिशोधित वेतनमान

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अतिथि गुरुओं का वेतनमान 1-1-1975 से 200 रु0 प्रतिमास से बढ़ा कर 400 रु0 प्रतिमास कर दिया गया है । प्रशासनिक और अध्यापन-स्टाफ के वेतनमानों को परिशोधित करने के प्रश्न पर संगीत नाटक अकादमी तृतीय वेतन आयोग की सिफारिशों के प्रकाश में विचार कर रही है ।

बैले एकक और रंगशाला

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी में एक बैले एकक की स्थापना एवं पुस्तिकाओं आदि के प्रकाशन की योजना संगीत नाटक अकादमी से अनुमोदित हो चुकी है । नृत्य अकादमी के मंच और रंगशाला का मणिपुर सरकार ने नवीकरण कर दिया है ।

कार्यकलाप

अकादमी के दो छात्रों - श्री एच0 गोपेश्वर शर्मा और कुमारी एच0 इबेयाइमा देवी ने मणिपुर राज्य कला अकादमी, इम्फाल द्वारा प्रायोजित युवा नर्तक समारोह में 20 अगस्त, 1974 को भाग लिया । जवाहर लाल

नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी ने संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार-विजेता स्वर्गीया श्रीमती लौरेम्बामौग्बी/ इबैम्हल देवी को सम्मानित किया ।

इस अवधि में अकादमी ने भारत के विद्वानों और उच्चपदस्थ अतिथियों के सम्मान में 16 कार्यक्रम प्रस्तुत किए । नृत्य अकादमी की एक मंडली ने अक्तूबर 1974 में मेघालय के शरत्कालीन समारोह में भाग लिया । श्रीमती एल0 थंबल देवी, गुरु के0 लैक्कमाचा सिंह, श्रीमती/ इ इबी देवी और श्रीमती नयनी देवी ने फरवरी 1975 में स्वर्गीय गुरु अमूबी सिंह पर एक वृत्त-चित्र में भाग लिया । यह वृत्त-चित्र भारत के फिल्म प्रभाग ने तैयार किया था ।

राष्ट्रीय लोकनृत्य मंडली

राष्ट्रीय लोक नृत्य मंडली का प्रशासन प्रधानमंत्री-सचिवालय द्वारा अकादमी को सौंपा गया था । यह अवधि 31 मार्च 1975 तक थी । मार्च, 1975 के अंतिम सप्ताह में प्रधानमंत्री-सचिवालय के अनुरोध पर इस नृत्य मंडली/ के प्रशासन की देखभाल की अवधि तीन मास अर्थात् जून 30, 1975 तक बढ़ा दी गई है ।

बजट और लेखे

यह अकादमी योजनेतर और योजनांतर्गत कार्यकलापों के व्यय-वहन के लिए संस्कृति विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली से सहायता-अनुदान प्राप्त करती है । अकादमी के वर्ष 1974-75 के योजनेतर और योजनांतर्गत व्यय का कुल बजट इस प्रकार है :

	बजट प्राक्कलन 1974-75	परिशोधित प्राक्कलन 1974-75
योजनेतर	27,15,000	27,37,000
योजनांतर्गत	5,68,000	3,60,000

संगीत नाटक अकादमी और इसके अन्य संघटक एककों - नेशनल स्कूल आफ ड्रामा और एशियन थियेटर इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली, कत्थक केन्द्र, नई दिल्ली तथा जवाहरलाल नेहरु मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल - का वर्ष 1974-75 की प्राप्तियाँ और भुगतान-लेखाओं का विवरण परिशिष्ट 4, 4(क), 5, 5(क), 6 और 7 में दिया गया है।

परिशिष्ट-1

31 मार्च, 1975 को साधारण परिषद के सदस्य

अध्यक्ष

1. श्री के0पी0एस0 मैनन,
फ्लट हाउस,
ओट्टपलम (केरल)

उपाध्यक्ष

2. श्री पी0एल0 देशपांडे,
1, रूपाली,
777, शिवाजीनगर,
पूना-4.

वित्त सलाहकार

3. श्री एस0 वेंकटरमण,
संस्कृति विभाग के
वित्त सलाहकार,
वित्त मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली ।

भारत सरकार द्वारा मनोनीत 5 सदस्य

4. डा0 नारायण मैनन,
कार्यकारी निदेशक,
नैशनल सैन्टर फार द
परफार्मिंग आर्ट्स,
नारीमन प्वाइंट,
बंबई-400021.

5. श्री जे0 सी0 माथुर,
संयुक्त राष्ट्र संघ का खाद्य एवं
कृषि संगठन,
एशिया और सुदूर पूर्व का
प्रादेशिक कार्यालय,
मालीवान मैंशन फरा आटिट रोड,
बैंकाक-25 (थाईलैंड)

6. डा0 महेश्वर नियोग,
गौहाटी विश्वविद्यालय,
गौहाटी-14 (असम)

8. श्री हबीब तनवीर,
95, साउथ एवेन्यू,
नई दिल्ली-110001.

पंद्रह राज्यों द्वारा नामित एक-एक प्रतिनिधि

9. श्री ए0 कृष्णा,
द्वारा श्री जे0 बापू रेड्डी,
विशेष अधिकारी,
आंध्र प्रदेश संगीत नाटक अकादमी,
कला भवन, सैफाबाद,
हैदराबाद-4.

10. असम

डा0 भाबेन्द्र नाथ सैकिया,
प्रादेशिक भाषाओं में ग्रंथ-
निर्माण की विश्वविद्यालय समन्वय
समिति के सचिव,
गौहाटी विश्वविद्यालय,
गौहाटी-14.

11. बिहार

श्री हरि उप्पल,
निदेशक,
भारतीय नृत्य कला मंदिर,
छज्जु बाग,
पटना-1.

12. गुजरात

श्री डी0 पी0 शास्त्री,
सैक्टर-17,
ब्लाक सं0 184I3 (जी एच)
गांधी नगर,
(वरास्ता) अहमदाबाद

13. केरल

श्री के0 जी0 येसुदास,
अध्यक्ष,
केरल संगीत नाटक अकादमी,
त्रिचूर-1.

14. जम्मू-कश्मीर

श्री मुहम्मद युसुफ टैंग,
सचिव,
जम्मू-कश्मीर कला,
संस्कृति तथा भाषा अकादमी,
कैनाल रोड) सर्दियों में
जम्मू)

या

लाल मंडी,) गर्मियों में
श्रीनगर)

15. मध्यप्रदेश

डा0 अरुण कुमार सेन,
प्राचार्य,
कमलादेवी कला संगीत महाविद्यालय,
गांधी चौक,
रायपुर ।

16. मैसूर

डा0 एन0 एस0 अनंतरंगाचारी,
उपनिदेशक,
साहित्य एवं सांस्कृतिक विकास,
29, विश्वनाथ राव रोड,
माधवनगर,
बंगलौर-1.

17. उड़ीसा
श्री धीरेन दास,
355, शहीदनगर,
भुवनेश्वर-7.

18. पंजाब
प्रो0 बलवंत गार्गी,
भारतीय रंगमंच विभाग,
पंजाब विश्वविद्यालय,
चंडीगढ़ ।

19. राजस्थान
श्री देवीलाल सामर,
भारतीय लोक कला मंदिर,
उदयपुर ।

20. तमिलनाडु
श्री एस0 डी0 सुंदरम,
सचिव,
तमिलनाडु राज्य संगीत नाटक संगम,
'थैंद्रल' ग्रीनवेज़ रोड,
मद्रास-28.

21. उत्तरप्रदेश
श्री सत्य प्रकाश भटनागर,
सचिव,
वैज्ञानिक कार्य विभाग, सूचना भवन,
उत्तरप्रदेश सरकार, बनारसी बाग,
लखनऊ ।

22. पश्चिम बंगाल
श्री तरुण रे,
31-ए, चक्रबेरिया रोड (दक्षिण)
कलकत्ता-25.

शिक्षा मंत्रालय का प्रतिनिधि

23. डा0 (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन,
उप शिक्षा सलाहकार,
संस्कृति विभाग,
भारत सरकार,
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली ।

सूचना तथा प्रसार मंत्रालय का प्रतिनिधि

24. श्री पी0 सी0 चटर्जी,
महानिदेशक,
आकाशवाणी,
पार्लियामेंट स्ट्रीट,
नई दिल्ली ।

साहित्य अकादमी के दो प्रतिनिधि

25. डा0 प्रभाकर माचवे,
सचिव,
साहित्य अकादमी,
रवीन्द्र भवन,
नई दिल्ली-110001.

26. श्री आद्य रंगाचार्य,
28, छठी मुख्य सड़क,
माळेश्वरम,
बंगलौर ।
ललित कला अकादमी के दो
प्रतिनिधि -

27. प्रो० शंखो चौधरी,
सचिव,
ललित कला अकादमी,
रवीन्द्र भवन,
नई दिल्ली-110001.

28. श्रीमती राणु मुकर्जी,
7, होचि मिन्ह सरणि,
(हैरिंगटन स्ट्रीट)
कलकत्ता-16.
नियम 4.viii के अंतर्गत 12
सहयोजित सदस्य :

29. श्री गिरीश कर्नाड,
निदेशक,
फिल्म इंस्टीट्यूट आफ इंडिया,
पूना ।

30. श्री जितेन्द्र अभिषेकी,
यशोधन,
सुशील कारेकर बंगलो,
बंबई-पूणे सड़क के सामने,
लोना वाला,
जि० पूना ।

31. गुरु लच्छू महाराज,
(निदेशक, कत्थक केन्द्र)
उत्तरप्रदेश संगीत नाटक अकादमी,
कैसर बाग,
लखनऊ ।

32. श्री उत्पल दत्त,
'कारलोल',
140124, नेताजी सुभाष चंद्र
बोस रोड,
कलकत्ता-40.

33. श्रीमती वीना पाठक,
लक्ष्मी सदन,
604 बी, डा० अम्बेदकर रोड,
बम्बई-14.

34. श्रीमती गुलवर्धन,
प्रधान सचिव,
रंगश्री लिटिल बैले ट्रूप,
सरदार पटेल होस्टल,
झांसी रोड,
ग्वालियर-2.

35. श्रीमती मृणालिनी साराभाई,
दर्पण,
चिदम्बरम्,
डाक० आश्रम विस्तार,
अहमदाबाद ।

36. डा० एस० रामनाथन,
प्राचार्य,
श्री सत्गुरु संगीत विद्यालयम,
15-ए, गोखले रोड,
ताल्लुकुलम,
मदुरै-2 (द० भारत)

37. डा० वी० राघवन,
7, श्री कृष्णपुरम स्ट्रीट,
रायपीठ,
मद्रास-14.

38. श्री टी० संकरन,
तमिल इशै संघम,
राजा अन्नामलै हाल,
मद्रास-1.

39. प्रो० (श्रीमती) सुमति मुटाटकर,
डीन, संगीत एवं ललित कला
संकाय,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली-7.

40. प्रो० लाल मणि मिश्र,
डीन,
संगीत एवं ललित कला संकाय,
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,
वाराणसी-5.

41.
नियम 4.ix के अंतर्गत सहयोजित :

41. श्री टी० टी० रामनकुट्टी नायर,
केरल कला मंडलम,
चेरुतुरुति (केरल)

42. कुमारी उषा भगत,
प्रधानमंत्री की सामाजिक सचिव,
1, सफदरजंग रोड,
नई दिल्ली ।

43. श्री कोमल कोठारी,
रूपायन संस्थान,
गांव : बोरूंदा,
बरास्ता : पीपार,
जोधपुर (राजस्थान)

44. श्री एम० एल० रैना,
फिल्म निर्माण प्रोफैसर,
फिल्म एंड टैलीवीज़न
इंस्टीट्यूट आफ इंडिया,
पूना ।

45. श्री केलुचरण महापात्र,
कला विकास केन्द्र,
राष्ट्र भाषा रोड,
कटक-1.

46. श्री ज्ञान प्रकाश घोष,
'हैमछाया'
फ्लैट नं0 6 ए,
आइरन साइड रोड,
कलकत्ता-19.

47. श्री सत्य देव दुबे,
द्वारा श्री अमरीश पुरी,
भारत कुंज,
फीरोज़शाह रोड,
सांताक्रूज (प0)
बम्बई-54.

48. प्रो0 ई0 नीलकांत सिंह,
सचिव,
मणिपुर राज्य कला अकादमी,
इंफाल।

-0-

परिशिष्ट-2

1974-75 वर्ष में राज्य अकादमियों को स्वीकृत की गई राशि

क्र0सं0	राज्य अकादमी का नाम	स्वीकृत राशि	प्रयोजन
1.	जम्मू तथा कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी	3,000.00	लोक संगीत समारोह के लिए
2.	गोवा, दमन, दीव कला अकादमी, पणजी	4,000.00	गोवानी लोक कला समारोह आयोजित करने के लिए
3.	उड़ीसा संगीत नाटक अकादमी, भुवनेश्वर	5,000.00	ओडीसा नृत्य पर संगोष्ठी
4.	तमिलनाडु स्याल इशै नाटक मन्रम, मद्रास	7,000.00	4,000.00 लोक कला समारोह आयोजित करने के लिए 3000.00 संगीत-नाटकों के प्रदर्शन के लिए
5.	मणिपुर राज्य कला अकादमी, इंफाल	7,500.00	लोक कला के दो समारोह आयोजित करने के लिए
6.	मध्यप्रदेश कला परिषद्, भोपाल	10,000.00	लोक-कला प्रदर्शन समारोह के लिए
7.	पश्चिम बंगाल नृत्य, नाटक, संगीत और ललित कला अकादमी, कलकत्ता	5,000.00	पारंपरिक बंगाली गीत-समारोह आयोजित करने के लिए

-0-

1974-75 वर्ष में संस्थाओं को स्वीकृत किए गए अनुदान

क्र0 सं0	संस्था का नाम	स्वीकृत राशि	प्रयोजन
1	2	3	4
आंध्र प्रदेश			
1.	श्री सिद्धेन्द्र कला आश्रम, कुचिपुडि	18,000.00	कुचिपुडि में प्रशिक्षण (वेतन और छात्रवृत्तियां)
2.	कलाश्रम, एलुरु	2,000.00	कुचिपुडि में प्रशिक्षण (वेतन और छात्रवृत्तियां)
असम			
1.	संगीत सत्र, गौहाटी	3,000.00	सत्रीय पारंपरिक नृत्य में प्रशिक्षण (वेतन और छात्रवृत्तियां)
2.	सिलचर संगीत विद्यालय, सिलचर, कछार	+ 3,000.00	नृत्य शिक्षकों का वेतन (राशि नहीं दी गई)
बिहार			
1.	रवीन्द्र परिषद्, पटना	2,000.00	शास्त्रीय (कंठ) संगीत के शिक्षकों का वेतन
2.	विंध्य कला मंदिर, पटना	4,000.00	लोक संगीत में अनुसंधान और प्रशिक्षण
3.	वैशाली संघ, लालगंज	2,000.00	लोक प्रदर्शन-कलाओं का* समारोह आयोजित करने के लिए

1	2	3	4
संघ राज्य क्षेत्र (चंडीगढ़)			
1.	प्राचीन कला केन्द्र, चंडीगढ़	3,500.00	संगीत शिक्षकों का वेतन
दिल्ली			
1.	नृत्यकला का नाट्य संस्थान (नाट्य इंस्टीट्यूट आफ कारियोग्राफी), नई दिल्ली	8,000.00	शिक्षकों का वेतन
2.	भूमिका, नई दिल्ली	3,000.00	एक नए बैले के निर्माण के लिए
3.	बंग भारती इंस्टीट्यूट आफ म्यूजिक, बंगाल असोसिएशन, नई दिल्ली	3,000.00	रवीन्द्र संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
4.	गीतिवितान, नई दिल्ली	2,000.00	रवीन्द्र संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
5.	नाट्य बैले सेन्टर, नई दिल्ली	7,500.00	नृत्य-नाटक के निर्माण के लिए
6.	दिल्ली चिल्ड्रन्स थियेटर, नई दिल्ली	7,000.00	नृत्य कलाकारों और संगीतज्ञों के वेतन के लिए
7.	भारतीय कला केन्द्र, नई दिल्ली	15,000.00	6,000.00 मयूर भंज छाउ नृत्य अनुभाग खोलने (गुरु के वेतन) के लिए 9,000.00 संगीत के शिक्षकों के वेतन के लिए

1	2	3	4
8.	त्रिवेणी कला संगम, नई दिल्ली	7,500.00	नृत्य और संगीत का प्रशिक्षण देने वाले शिक्षकों के वेतन के लिए
9.	गंधर्व महाविद्यालय, नई दिल्ली	7,500.00	क्वायर ग्रुप (वेतन और मानदेय) के लिए
10.	अभियान, नई दिल्ली	†5,000.00	एक नए नाटक के निर्माण के लिए (राशि नहीं दी गई)
11.	यात्रिक, नई दिल्ली	5,000.00	ग्रीष्मकालीन थियेटर कार्यशाला चलाने के लिए
12.	अंतरराष्ट्रीय कथकलि केन्द्र (इंटरनैशनल सैन्टर फार कथकलि), नई दिल्ली	4,000.00	नियमित प्रदर्शनों के व्यय को पूरा करने के लिए
गुजरात			
1.	कला दर्शन, अहमदाबाद	†2,000.00	कठपुतली के तमाशे आदि के लिए (राशि नहीं दी गई)
2.	कदंब (कत्थक नृत्य स्कूल), अहमदाबाद	5,000.00	कत्थक नृत्य का प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
3.	भरत नाट्य पीठ, अहमदाबाद	5,000.00	नियमित प्रदर्शनों के लिए सहायता
4.	दर्पण	5,000.00	शिक्षकों का वेतन और निर्माण (कठपुतली अनुभाग)

1	2	3	4
जम्मू-कश्मीर			
1.	कश्मीर भगत थियेटर, कश्मीर	3,500.00	प्रदर्शनों के लिए सहायता
कर्नाटक			
1.	कर्नाटक गान कला परिषद्, बंगलौर	7,500.00	संगीत सम्मेलन का आयोजन करने के लिए (संगीतज्ञों के लिए मानदेय आदि)
2.	द राजाजीनगर संगीत सभा, बंगलौर	5,000.00	दास प्रथा के बारे में सामग्री तैयार करने और एक संगोष्ठी आयोजित करने के लिए
3.	मीनाक्षी सुंदरम स्कूल आफ भरत नाट्यम्, बंगलौर	6,000.00	भरत नाट्यम् में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
4.	यक्षगान कैन्द्र, उडीपी	9,000.00	यक्षगान का प्रशिक्षण (वेतन और छात्रवृत्तियां)
5.	विजय ड्रामैटिक असोसिएशन, गडग	2,000.00	नाट्य निर्माण के लिए
कैरल			
1.	विश्व कला कैन्द्र, त्रिवेन्द्रम	7,500.00	कथकलि नृत्य में प्रशिक्षण (वेतन और छात्रवृत्तियां)
2.	समस्त कैरल कथकलि सोसाइटी, कोरिकाड	3,000.00	कथकलि में प्रशिक्षण (नृत्य शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4
3.	उन्नायी वारियर स्मारक कलानिलयम्, इरिंजलकुड	8,000.00	(i) कथकलि में प्रशिक्षण (नृत्य शिक्षकों के वेतन के लिए) (ii) मलयालम और संस्कृत के अध्यापकों के वेतन के लिए
4.	गांधी सेवा सदन कथकलि तथा शास्त्रीय कला अकादमी, पालघाट	1,500.00	कथकलि के शिक्षकों के वेतन के लिए
मध्यप्रदेश			
1.	संगीत समाज, जबलपुर	2,000.00	संगीत कार्यक्रम के लिए
2.	मध्यप्रदेश लोक कला संस्थान, मंडला	5,000.00	लोक तथा जनजातीय नृत्य के प्रशिक्षण और निर्माण के लिए
3.	आदर्श भारतीय कला मंदिर, ग्वालियर	2,000.00	संगीत वाद्यों की खरीद के लिए
4.	शंकर गंधर्व महाविद्यालय, ग्वालियर	3,000.00	शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
5.	आर्टिस्ट्स कंबाइन, ग्वालियर	3,000.00	प्रकाश उपस्कर की खरीद के लिए
6.	कला मंदिर, ग्वालियर	3,000.00	संगीत । नृत्य । नाटक समारोह करने के लिए

1	2	3	4
महाराष्ट्र			
1.	आर्य संगीत प्रसारक मंडल, पूना	4,000.00	दक्षिण भारतीय संगीतज्ञों को संगीत कला प्रदर्शन हेतु निमंत्रित करने के लिए
2.	गायन वादन विधालय, नांदेड़	4,000.00	शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
3.	आविष्कार, बंबई	5,000.00	नाटक निर्माण के लिए
4.	कला छाया, पूना	4,000.00	कत्थक नृत्य के प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
5.	अनिकेत, बंबई	5,000.00	नाटक निर्माण के लिए
6.	नृत्य भारती-कत्थक नृत्य अकादमी, पूना	8,000.00	कत्थक नृत्य के प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
7.	भरत नाट्य संशोधन मंदिर, पूना	3,000.00	थियेटर प्रलेखन के लिए (25 माडलों । फोटो आदि की बिक्री)
8.	नालंदा नृत्य अनुसंधान केन्द्र (नालंदा डांस रिसर्च सेन्टर), बंबई	5,000.00	शिक्षकों के वेतन के लिए
9.	[illegible] भारतीय गंधर्व महाविधालय, बंबई	5,000.00	अखिल भारतीय संगीत शिक्षक सम्मेलन का आयोजन करने के लिए
मणिपुर			
1.	मणिपुर कगोई मरुप, इंफाल	2,500.00	निर्माण खर्च के लिए

1	2	3	4
2.	गुरु अमुबी नृत्य विधालय, इंफाल	2,500.00	मणिपुरी नृत्य के प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
3.	थियेटर सेन्टर, इम्फाल	2,000.00	प्रकाश उपस्कर के लिए
उड़ीसा			
1.	नरेन्द्रपुर कला विकास केन्द्र, गंजम	2,500.00	लोक नृत्यों पर काम करने के लिए
2.	श्याम सुंदर संगीत महा-विद्यालय, पुरी	2,500.00	पखावज के प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
3.	कला विकास केन्द्र, कटक	10,000.00	उड़ीसा नृत्य के प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
4.	मयूर भंज छाउ नृत्य प्रतिष्ठान, बारीपद	7,500.00	मयूरभंज छाउ नृत्य के प्रशिक्षण के लिए (वेतन और छात्रवृत्तियां)
राजस्थान			
1.	कला भारती, अलवर	2,500.00	संगीत वाद्यों की खरीद और मेवाती लोक संगीत के अध्ययन के लिए
2.	भारतीय लोक कला मंडल, उदयपुर	4,000.00	नवरात्र बैले के सर्वेक्षण और अध्ययन के लिए
3.	रुपायन संस्थान, बोरुंदा	10,000.00	राजस्थान के कुछ लोक नृत्यों का 20 मिनट का रंगीन वृत्तचित्र बनाने के लिए

1	2	3	4
तमिलनाडु			
1.	तमिल इशै संघम, मद्रास	5,000.00	प्राचीन तमिल संगीत में अनुसंधान और प्रशिक्षण (वेतन और छात्रवृत्तियां)
2.	तमिलनाडु नाडग नडिगर संघम, मदुरै	4,000.00	नाडग कलें के लिए छात्रों का प्रशिक्षण
3.	म्यूजिक अकादमी, मद्रास	15,000.00	अनुसंधान, कनिष्ठ कलाकारों का प्रोत्साहन, हिंदुस्तानी संगीत के प्रस्तुतीकरण, शिक्षकों का प्रशिक्षण और टीचर्स कालेज आफ म्यूजिक के विकास के लिए
4.	बालसुब्रह्मण्य संगीत सभा, मद्रास	2,500.00	दो संगीत सभाओं के लिए सहायता
5.	कुचिपुडि आर्ट अकादमी, मद्रास	7,200.00	कुचिपुडि नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
6.	बालसरस्वती क्लासिकल भरत नाट्य स्कूल, मद्रास	2,500.00	भरत नाट्यम का प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
7.	श्री जय गणेश ताल वाद्य विद्यालय सोसाइटी, मद्रास	2,500.00	विभिन्न ताल वाद्यों का प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4
8.	श्री त्याग ब्रह्म महोत्सव सभा, तंजावुर	5,000.00	आराधना समारोह आयोजित करने के लिए
9.	कालक्षेत्र, मद्रास	20,000.00	नृत्य शिक्षकों के वेतन के लिए
10.	नटन कला निलयम, मद्रास	11,500.00	नृत्य नाटक 'तिरुवल्लुवर' के निर्माण के लिए
उत्तरप्रदेश			
1.	दर्पण, कानपुर	5,000.00	नए नाटक के निर्माण के लिए
2.	मुक्ताकाश नाट्य संस्थान, मेरठ	1,500.00	प्रकाश उपकरण की खरीद के लिए
3.	श्री हरि संकीर्तन सभा, नैनीताल	5,000.00	शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण (वेतन और छात्रवृत्तियां)
4.	ब्रज कला केन्द्र, मथुरा	2,000.00	वेशभूषा की खरीद के लिए
5.	अखिल भारतीय ध्रुपद मेला समिति, वाराणसी	10,000.00	ध्रुपद मेले के लिए
पश्चिम बंगाल			
1.	पीपल्स लिटिल थियेटर, कलकत्ता	10,000.00	नाट्य निर्माण के लिए
2.	चिल्ड्रन्स लिटिल थियेटर, कलकत्ता	7,000.00	कठपुतलियां नचाने वाले कलाकारों के वेतन और कठपुतली नाटक निर्माण के लिए

1	2	3	4
3.	यूथ पपेट थियेटर, कलकत्ता	2,000.00	कठपुतली नाटक निर्माण की कार्यशाला के लिए
4.	कलकत्ता स्कूल आफ म्यूज़िक, कलकत्ता	5,000.00	पश्चिमी संगीत के प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
5.	कलकत्ता पपेट थियेटर, कलकत्ता	3,000.00	कठपुतली नाटक निर्माण के लिए सहायता
6.	अनामिका, कलकत्ता	5,000.00	नियमित कार्यशाला : पर निर्माण-व्यय
7.	संगीत कला केन्द्र, मिदनापुर	2,000.00	संगीत शिक्षकों के वेतन के लिए
8.	सौरभ, कलकत्ता	5,000.00	शास्त्रीय संगीत के प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
9.	चतुर्मुख, कलकत्ता	3,000.00	प्रकाश उपकार की खरीद के लिए
10.	लोक भारती, कलकत्ता	5,000.00	अनुसंधान प्रशिक्षण व्यय और श्री निर्मलेन्दु चौधरी के वेतन के लिए
11.	मणिमेला महाकेन्द्र, कलकत्ता	2,500.00	बाल नाटक के निर्माण के लिए
12.	संगीत विद्यापीठ, मुर्शिदाबाद	1,000.00	संगीत उपकरणों की खरीद के लिए

1	2	3	4
13.	लोक संस्कृति अनुसंधान संस्थान (रिसर्च इंस्टीट्यूट आफ फोक कल्चर), कलकत्ता	5,000.00	पुरुलिया छाउ का अल्प-कालीन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित करने और वार्षिक समारोह के लिए
14.	नंदीकार, कलकत्ता	10,000.00	नए नाटक के निर्माण के लिए
15.	उदयशंकर इंडिया कल्चर सेन्टर, कलकत्ता	7,000.00	नृत्य शिक्षकों के वेतन के लिए
16.	+क्षेत्रीय नृत्य कला केन्द्रम, कलकत्ता	2,500.00	कथकलि प्रस्तुतीकरण और प्रदर्शनों के लिए

+ प्रलेखों के प्राप्त न होने के कारण अनुदान नहीं दिया जा सका ।

-0-

परिशिष्ट-3

वर्ष 1974-75 में दिया गया विवेकाधीन अनुदान

क्रम सं0	व्यक्ति । संस्था का नाम	दी गई राशि	प्रयोजन
1	2	3	4
1.	श्री वी0 पंचाल, नई दिल्ली	1,650.00	कूडियाट्टम और कूताम्बलम का अध्ययन
2.	श्री अमोल पालेकर, बम्बई	500.00	स्वर्गीय 'दिवाकर' के दो एकांकी नाटकों के रिकार्डिंग व्यय के लिए
3.	श्री डी0 एन0 पटनायक, भुवनेश्वर	500.00	उड़ीसा के लोक-नृत्य पर पुस्तक की सामग्री-संकलन के लिए
4.	डा0 शान्ता राघवन, नई दिल्ली	750.00	भरत नाट्यम् के कुछ प्राचीन रूप सीखने के लिए
5.	श्री मधु रे, अहमदाबाद	600.00	थियेटरों को देखने तथा मराठी और गुजराती थियेटर विशेषज्ञों से मिलने के लिए बम्बई और पूना की यात्राओं के यात्रा एवं अन्य विविध खर्चों के लिए
6.	अनिकेत, बम्बई	2,000.00	अहमदाबाद में एक थियेटर कार्यशाला के आयोजन के लिए

1	2	3	4
7.	श्री वी0 बी0 देशपांडे, पूना	500.00	अपनी कलकत्ता यात्रा से संबंधित यात्रा-खर्च एवं अन्य विविध खर्चों के लिए
8.	श्री माधव वझे, पूना	500.00	अपनी कलकत्ता यात्रा के यात्रा-खर्च के लिए
9.	श्री वसन्त ग्राम दग्नि, दिल्ली	1,500.00	ब्रज लोक संगीत के अभिलेखन के लिए
10.	श्रीमती इन्द्राणी रहमान, नई दिल्ली	2,000.00	नई नृत्य रचनाओं के लिए
11.	क्रिश्चियन मिरर, नई दिल्ली	2,000.00	1) 1000.00 श्री फ्रांसिस बेनेविट्स के मार्ग-दर्शन में एक थियेटर कार्यशाला के आयोजन के लिए. 2) 1000.00 मदरकरेज के प्रस्तुतीकरण के लिए।
12.	श्री वाषेंकडा कुंचु नायर, डाकघर वाषेंकडा (केरल)	1,000.00	चिकित्सा-व्यय के लिए
13.	कलाधर्मी, नई दिल्ली	2,000.00	'नव-नृत्योत्सव' 74 नामक नृत्य समारोह के व्यय के लिए
14.	हरियाणा लोक मंच, टोहाना	2,000.00	नाट्य-स्वांग के आयोजन के लिए

1	2	3	4
15.	श्री दानू लाल, राजस्थानी कठपुतली वाला, नई दिल्ली	500.00	कठपुतलियों की पोशाक, संगीत, पूर्वाभ्यास और अभिमंचन पर होने वाले खर्च के लिए
16.	दिल्ली नाट्य संघ, नई दिल्ली	500.00	'विश्व रंगमंच दिवस' के आयोजन के लिए
17.	श्री एम0 के0 रैना, नई दिल्ली	1,000.00	उडीपी में यक्षगान के लोक रूप के प्रशिक्षण के लिए
18.	नया थियेटर, नई दिल्ली	1,000.00	छत्तीसगढ़ क्षेत्र में वहां की प्रचलित प्रदर्शन-कलाओं के अन्वेषणार्थ यात्रा करने के लिए
19.	श्री गौरनित्यै सिंह, इम्फाल	500.00	उनके स्वर्गीय पिता गुरु अतोंमा सिंह के श्राद्ध के लिए
20.	श्रीमती सुचेता भिडे, पूना	2,000.00	भरत नाट्यम् में अनुसंधान-कार्य के लिए
21.	श्री मोहन महर्षि	1,000.00	देश के विभिन्न भागों में भारतीय थियेटर के रूपों के अध्ययनार्थ यात्रा-व्यय के लिए
22.	मणिपुरी फाइन आर्ट्स सेन्टर, नई दिल्ली	2,000.00	पोशाकें खरीदने के लिए

† 1000.00 रु0 1973-74 में श्री डी0एन0 पटनायक के लिए मंजूर किए गए ।

-0-

संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

वर्ष 1974-75 की प्राप्तियां और भुगतान लेखाओं का विवरण

(योजनेतर)

प्राप्तियां	वास्तविक आंकड़े रु0	भुगतान	मूल बजट रु0	परिशोधित बजट रु0	वास्तविक आंकड़े रु0
1	2	3	4	5	6
अथ शेष		कार्यालय-खर्च			
(क) संगीत नाटक अकादमी	41,609.93	स्थापना का वेतन	2,20,000	2,58,000	2,42,186.86
(ख) नेशनल स्कूल आफ		भत्ते और मानदेय	1,61,800	1,46,000	1,48,440.38
ड्रामा एवं एशियन		अंतरिम सहायता	23,000	4,800	6,168.85
थियेटर इंस्टीट्यूट		किराये, पौर कर			
नई दिल्ली	51,974.37	एवं कर	1,35,000	1,35,000	1,43,337.49
(लेखा सं0 1 और 2)		भविष्य निधि अंशदान	55,000	75,000	66,502.00
(ग) जवाहर लाल नेहरू		अन्य प्रभार	80,000	95,000	1,03,369.27
मणिपुर नृत्य		आतिथ्य	1,000	1,000	941.52
अकादमी, इम्फाल	3,620.56	उपदान	15,000	3,100	3,090.00

1	2	3	4	5	6
(घ) कत्थक केन्द्र,		गृह निर्माण ऋण	-	-	-
नई दिल्ली	18,530.38 1,15,734.24	प्रशिक्षण कार्यक्रम	500	-	-
		कुल कार्यालय-खर्च	6,91,300	7,17,900	7,14,036.37
शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली					
से अनुदान	20,80,000.00	साधारण परिषद् के			
प्रकाशनों की बिक्री	11,211.26	सदस्यों और अन्यों के			
विविध प्राप्तियां (सामान्य)	487.40	यात्रा एवं दैनिक भत्ते	25,000	29,000	35,380.74
अनुदानों की वापसी	2,500.00	फर्नीचर और कार्यालय			
वाहन पेशगियों पर ब्याज	344.16	का साजसामान	10,000	6,000	5,209.83
स्टूडियो का किराया	3,632.50	संग्रहालय	-	-	-
छायाचित्रों की बिक्री	755.50	पुस्तकालय	8,000	6,000	6,954.49
		ग्रामोफोन रिकार्ड	7,000	3,000	1,961.92
		तकनीकी साजसामान,			
		अभिलेखन और फिल्मांकन	18,000	15,000	13,231.04
		अकादमी के प्रकाशन	38,000	68,000	41,304.46
		रायल्टी	1,000	1,000	636.00

1	2	3	4	5	6
		अनुवाद	1,000	-	-
		अकादमी के सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठियां और प्रदर्शनियां	90,000	58,000	41,416.50
		पुरस्कार और इनाम	1,35,000	1,35,000	1,38,173.02
		भेंट और सांस्कृतिक सामग्री का आदान-प्रदान	1,000	200	350.00
		प्रकाशन (अनुदान)	20,000	10,000	9,800.00
		सांस्कृतिक संस्थाओं और अन्य संस्थाओं को अनुदान	5,45,000	5,20,000	5,20,000.00
		नेशनल स्कूल आफ ड्रामा और एशियन थियेटर इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली को अनुदान	6,67,200	6,96,000	6,96,000.00

1	2	3	4	5	6
		कत्थक केन्द्र, नई दिल्ली को अनुदान	2,94,000	3,16,000	3,16,000.00
		जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल को अनुदान	1,48,000	1,50,000	1,50,000.00
		विविध व्यय	500	-	-
वाहन पेशगियों की वसूली	3,410.85	वाहन खरीदने के लिए पेशगियां	10,000	1,000	1,260.00
त्योहार पेशगियों की		त्योहार-पेशगी	3,000	2,900	2,900.00
वसूली	2,360.00	लेखा-परीक्षा शुल्क	2,000	2,000	-
असंवितरित वेतन	39,123.10	असंवितरित वेतन	-	-	39,110.90
अनिवार्य सावधिक जमा	2,870.00	अनिवार्य सावधिक जमा	-	-	2,870.00
आयकर	8,259.00	आयकर	-	-	8,259.00
ऋण । पेशगियां	1,33,906.94	ऋण । पेशगियां	-	-	1,30,080.34

1	2	3	4	5	6
नेशनल स्कूल आफ ड्रामा और एशियन थियेटर इन्स्टीट्यूट को देय छात्रवृत्तियां	16,247.25	नेशनल स्कूल आफ ड्रामा और एशियन थियेटर इन्स्टीट्यूट को देय छात्रवृत्तियां	-	-	16,247.25
उचंत (सामान्य)	22,178.52	उचंत (सामान्य)	-	-	2,340.39
उचंत (अंशदायी भविष्य निधि)	54,289.00	उचंत (अंशदायी भविष्य निधि)	-	-	54,289.00
उचंत (कत्थक केन्द्र)	1,95,931.31	उचंत (कत्थक केन्द्र)	-	-	2,21,856.31
योजनांतर्गत व्यय	1,10,350.00	योजनांतर्गत व्यय	-	-	1,10,350.00
उचंत (जीवन बीमा निगम प्रीमियम)	2,066.20	उचंत (जीवन बीमा निगम प्रीमियम)	-	-	2,066.20
उचंत (अनिवार्य जमा योजना)	8,800.00	उचंत (अनिवार्य जमा योजना)	-	-	8,800.00
उचंत (विशेष भविष्य निधि)	4,361.70	उचंत (विशेष भविष्य निधि)	-	-	4,361.70

1	2	3	4	5	6
संगीत और नाटक प्रभाग		संगीत और नाटक प्रभाग			
विज्ञान भवन में प्रदर्शनी	200.00	विज्ञान भवन में प्रदर्शनी	-	-	387.30
विदेश मंत्रालय		विदेश मंत्रालय			
21-8-73 को अशोक होटल में कार्यक्रम	2,999.55				
3-12-73 को राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम	8,014.55				
11-9-73 को अशोक होटल में कार्यक्रम	4,295.00				
26-11-73 को राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम	9,798.39				
26-1-74 को मावलंकर आडिटोरियम में कार्यक्रम	10,153.71				
21-2-74 को राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम	4,203.90				

1	2	3	4	5	6
24-2-74 को राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम	4,428.00				
4-3-74 को राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम	6,056.40				
8-3-74 को राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम	3,626.00	8-3-74 को राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम	-	-	9.00
		26-3-74 को राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम	-	-	3,475.10
24-4-74 को राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम	5,000.00	24-4-74 को राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम	-	-	5,000.00
27-10-74 को अशोक होटल में कार्यक्रम	6,000.00	27-10-74 को अशोक होटल में कार्यक्रम	-	-	6,735.15
		21-11-74 को राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम	-	-	2,287.97
		26-11-74 वही	-	-	4,731.95
		29-11-74 वही	-	-	4,697.23

1	2	3	4	5	6
		2-12-7[illegible] वही	-	-	5,[illegible]38.78
		6-12-7[illegible] वही	-	-	[illegible],12[illegible].63
		18-12-7[illegible] वही	-	-	[illegible],789.20
		1-1-75 वही	-	-	[illegible],997.95
		16-1-75 वही	-	-	5,035.92
		21-2-75 वही	-	-	5,[illegible]86.[illegible]0
		27-2-75 वही	-	-	3,[illegible]62.33
		2-3-75 वही	-	-	2,122.[illegible]0
		3-3-75 वही	-	-	[illegible],152.25
		रक्षा मंत्रालय			
		1[illegible]-2-75 को अशोक होटल में कार्यक्रम	-	-	3,390.90
शिक्षा मंत्रालय		शिक्षा मंत्रालय			
5-1-7[illegible] को रवीन्द्र भवन में कार्यक्रम .	2,337.85				

1	2	3	4	5	6
		बंगला देश अनुदान	-	-	4,477.80
		मणिपुरी जागोई नरूप कार्यक्रम	-	-	80.00
		सोवियत संघ से 'रामायण' कार्यक्रम	-	-	13,760.78
		संगीत वाद्यों की खरीद	-	-	2,030.85
		पथ में संगीत वाद्यों की प्रदर्शनी	-	-	1,352.72
विविध प्राप्तियां और भुगतान		विविध भुगतान			
(क) नेशनल स्कूल आफ ड्रामा और एशियन थियेटर इन्स्टीट्यूट, नई दिल्ली	3,92,204.47	(क) नेशनल स्कूल आफ ड्रामा और एशियन थियेटर इन्स्टीट्यूट, नई दिल्ली	-	-	3,68,365.42
(ख) कत्थक केन्द्र, नई दिल्ली	83,910.57	(ख) कत्थक केन्द्र, नई दिल्ली	-	-	67,552.79

1	2	3	4	5	6
(ग) जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल	22,621.74	जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल	-	-	21,377.72
		इति शेष			
		(क) संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली खुदरा रोकड़ : 14.01 रोकड़ : 1539.10 बैंक : 22951.79	-	-	24,504.90
		(ख) नैशनल स्कूल आफ ड्रामा और एशियन थियेटर इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली लेखा सं0 1 : हाथ रोकड़ : 7217.95 बैंक : 43133.14			

1	2	3	4	5	6
		डाक शुल्क			
		फ्रैंकिंग 198.55			
		मशीन :			
		नकद डाक			
		शुल्क : 40.20			
		लेखा सं0 2			
		रोकड़ : 1540.47			
		बैंक : 23683.11	-	-	75,813.42
		(ग) कत्थक केन्द्र,			
		नई दिल्ली			
		डाक शुल्क : 30.00			
		खुदरा रोकड़			
		अग्रदाय : 42.79			
		बैंक : 34835.37	-	-	34,908.16

1	2	3	4	5	6
		(घ) जवाहरलाल नेहरू मणिपुर अकादमी, इम्फाल	-	-	4,864.58
कुल रु0	39,84,689.06		27,15,000	27,37,000	39,84,689.06

ह0/जे0 एन0 मेहरा
वरिष्ठ लेखापाल

ह0/पी0 सोमशेखरन
वित्त और लेखा अधिकारी

ह0/मोहन सोकार
कार्यकारी सचिव

वर्ष 1974-75 की प्राप्तियां और भुगतान का विवरण

(योजनांतर्गत)

प्राप्तियां	वास्तविक आंकड़े रु0	भुगतान	मूल बजट रु0	परिशोधित बजट रु0	वास्तविक आंकड़े रु0
1	2	3	4	5	6
अथ शेष	25,248.67	प्रलेखन, पुरालेखागार, संकलन और अनुसंधान		2,50,000	1,40,569.06
शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली से प्राप्त अनुदान	3,43,000.00	संगीत-विज्ञान में अनुसंधान एकक	5,68,000	50,000	35,210.04
विविध (प्राप्ति) केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना)	201.75	अध्येतावृत्ति योजना		20,000	5,400.60
		अननुमोदित योजना		40,000	-
आयकर वसूली	1,446.00	आयकर वसूली	-	-	1,446.00
असंवितरित वैतन	4,825.51	असंवितरित वैतन	-	-	4,825.51
उचंत (अंशदायी भविष्य निधि)	10,588.20	उचंत (अंशदायी भविष्य निधि)	-	-	10,588.20
उचंत (सामान्य)	(-) 1.85	उचंत (सामान्य)	-	-	-

1	2	3	4	5	6
सामान्य भविष्य निधि		सामान्य भविष्य निधि			
(उड़ीसा को देय)	1,472.00	(उड़ीसा को देय)	-	-	1,472.00
पेशगियां । ऋण	41,143.37	पेशगियां । ऋण	-	-	41,069.93
योजनेतर व्यय	1,10,350.00	योजनेतर व्यय	-	-	1,10,350.00
अनिवार्य सावधिक जमा	360.00	अनिवार्य सावधिक जमा	-	-	360.00
अनिवार्य जमा योजना	1,834.00	अनिवार्य जमा योजना	-	-	1,834.00
अनिवार्य		इति शेष			
		(क) हाथ			
		रोकड़ : 6734.22			
		(ख) बैंक में			
		रोकड़ : 180608.09			
		187342.31	-	-	1,87,342.31
कुल :	5,40,467.65		5,68,000	3,60,000	5,40,467.65

ह0/ जे0 एन0 मेहरा
वरिष्ठ लेखापाल

ह0/ पी0 सोमशेखरन
वित्त और लेखा अधिकारी

ह0/ मोहन सोक्कर
कार्यकारी सचिव

टिप्पणी : क्रम सं0 4 "अनुमोदित योजनाएं" : ये योजनाएं संस्कृति विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से योजना आयोग को भेजी गई थी किन्तु इनके लिए वर्ष 1974-75 के दौरान स्वीकृति नहीं मिल सकी ।

परिशिष्ट-5

नेशनल स्कूल आफ ड्रामा और एशियन थियेटर इन्स्टीट्यूट, नई दिल्ली

1-4-74 से 31-3-75 तक का प्राप्ति और भुगतान लेखा

लेखा सं0 1

प्राप्तियां लेखा शीर्ष	वास्तविक आंकड़े		भुगतान	बजट प्राक्कलन 1974-75	परिशोधित बजट 1974-75	वास्तविक आंकड़े
1	2		3	4	5	6
पिछला बकाया अग्रानीत			कार्यालय व्यय			
हाथ रोकड़	3825.70		स्थापना का वेतन	150000	215000	213346.98
स्टेट बैंक आफ इंडिया	30589.89		भत्ते और मानदेय	92000	110000	100862.28
चालू खाता सं0 52215			अन्तरिम सहायता	20000	3500	3441.16
फ्रैंकिंग मशीन और			भविष्य निधि में अंशदान	14000	19000	18988.00
डाक-शुल्क	102.60	34518.19	किराए, पौर कर और			
			कर	17000	50000	43275.61
			विज्ञापन, लेखन सामग्री			
			और छपाई	16000	15000	13841.57

1		2	3	4	5	6
संगीत नाटक अकादमी			केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना			
नई दिल्ली	696000.00	696000.00	में अंशदान और चिकित्सा-			
			दावों की प्रतिपूर्ति	5000	5000	4067.00
			विविध	28000	42000	37725.67
छात्रों से शुल्क			प्रशिक्षण व्यय			
शिक्षा शुल्क	17735.00		छात्रवृत्तियाँ	77500	79000	77282.22
लेखन-सामग्री शुल्क	3585.00		नाटक कंपनी	53000	42000	42026.04
प्रवेश शुल्क	675.00	22035.00	परीक्षा शुल्क	3000	3500	3392.00
विविध प्राप्तियाँ			कार्यशाला साजसामान	4000	4500	3097.19
विविध प्राप्तियाँ	673.28		विस्तार व्याख्याता	2000	3000	860.00
विविध प्राप्तियाँ	114.70		अनुवाद शुल्क और			
प्रकाशन विवरण-			रायल्टियाँ	2000	4000	2875.00
पत्रिकाओं की बिक्री	511.00		अंशकालिक पाठ्यक्रम	6000	8000	-
टिकटों की बिक्री	34632.00		शैक्षिक यात्राएं और			
टिकटों की बिक्री			स्कूल के समारोह	1000	3000	71.60
और शुल्क	5265.00		प्रस्तुति प्रशिक्षण	15000	70000	68935.12

1		2	3	4	5	6
नाटक कंपनी के			प्रस्तुति नाटक कंपनी	15000	25000	17973.13
प्रदर्शन			इनाम और डिप्लोमा	1000	2000	824.25
पुस्तकालय जुर्माना	255.60		रूप सज्जा सामग्री	1000	2000	907.72
केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना			बाह्य विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियां	10000	10000	7976.35
संबंधी वसूलियां	719.75		दिल्ली से बाहर			
ब्रोशर की बिक्री	668.50	42830.83	प्रस्तुतियां	10000	10000	8650.08
छात्रावास			अन्य प्रकार	500	500	-
किराया वसूली	29120.00		प्रकाशन	2000	1000	938.70
विविध प्रकार	2625.00					
गद्दों का खर्च	413.00	32158.00				
पेशगियां । ऋण			फर्नीचर और साजसामान			
त्योहार पेशगियां	960.00		कार्यालय का फर्नीचर			
संगीत नाटक अकादमी			और साज-सामान	1500	5000	4892.78
भविष्य निधि			रंगविधान और उपकरण	1000	500	26.25
पेशगियां । ऋण	23700.00		पोशाकें	500	500	466.50

1		2	3	4	5	6
भविष्य निधि पेशगियों			प्रकाश-व्यवस्था उपकरण	12000	9000	8950.87
की वसूली	16949.00		रूप सज्जा उपकरण	500	500	456.40
वाहन ऋण पर ब्याज	12.85		कार्यशाला साज-सामान	500	500	58.50
वाहन ऋण	768.00	42389.85	[illegible] साज-सामान	300	300	-
भविष्य निधि			रंगशाला साज-सामान	200	1700	668.17
स्टाफ और स्कूल			पुस्तकालय साज-सामान	1000	1000	899.61
का अंशदान	38197.00		ध्वनि, भाषण और			
भविष्य निधि लेखे			संगीत साज-सामान	3000	12000	9461.10
पर ब्याज 74-75	18997.00	57194.00	विविध साज-सामान	500	500	121.80
अतिरिक्त मंहगाई-भत्ता			छात्रावास			
जमा		2504.00	किराया	51000	51000	51000.00
			रखरखाव	5000	7500	7494.38
			फर्नीचर और जुड़नार	2000	5000	2505.73
			पर्यवेक्षण व्यय	5000	6500	5221.00

1	2	3	4	5	6
		अन्य शीर्ष			
		समिति के सदस्यों को यात्रा-भत्ता और दैनिक भत्ता	1500	2500	290.00
		लेखा-परीक्षा शुल्क	2000	2000	-
		बिजली जमानती जमा (नई दिल्ली नगर पालिका)	1500	1500	605.00
		कुंजा थियेटर	3000	3500	3490.38
		शेड निर्माण	20000	20000	-
		त्योहार पेशगियां	1000	1000	1000.00
		पुस्तकालय (पुस्तकें और पत्रिकाएं)	7000	6000	5891.74
		संगीत नाटक अकादमी भविष्य निधि		74163	74163.00

1	2	3	4	5	6
		पेशगियां । ऋण			
		भविष्य निधि ऋण	-	23700	
		संगीत नाटक अकादमी. वाहन ऋण	-	780.85	24480.85
		अतिरिक्त मंहगाई भत्ता जमा			
		प्रादेशिक भविष्य			
		निधि आयुक्त दिल्ली			
		के पास लेखा	-	2504.00	2504.00
उचंत सामान्य		उचंत सामान्य			
उचंत	38970.57	उचंत	-	40833.41	
असंवितरितवेतन	33970.71	असंवितरित वेतन	-	33344.84	
असंवितरित छात्रवृत्तियां	14048.66	असंवितरित छात्रवृत्ति	-	14048.66	
असंवितरित मजदूरी	290.35	असंवितरित मजदूरी	-	290.35	
छात्रावास का बिजली-		छात्रावास का बिजली-			
पानी उचंत	5949.00	पानी	-	5502.58	
संगीत नाटक अकादमी		संगीत नाटक अकादमी			
प्रस्तुति-उचंत	2326.79	प्रस्तुति उचंत	-	2271.59	

1		2	3	4	5	6
लेखागत भुगतान	3615.00		छात्रों को पेशगियां	-	5939.46	
छात्र-पेशगियां	5050.63		छात्र-पेशगियां	-	5939.46	
पेशगियां । कृण	75758.97		पेशगियां । कृण	-	81317.99	
अवकाश यात्रा रियायत			अवकाश यात्रा -रियायत			
पेशगियां	204.00		पेशगियां	-	128.00	
मध्यप्रदेश कला परिषद्			मध्यप्रदेश कला परिषद्			
के प्रस्तुति उचंत	9456.00		उचंत	-	8796.30	
हिन्दू कालेज प्रस्तुति	365.10		हिन्दू कालेज प्रस्तुति	-	365.10	
आयकर	12141.00	202158.78	आयकर	-	12141.00	205089.78
			हस्तस्थ शेष			
			हाथ रोकड़	7217.95		
			स्टेट बैंक आफ इंडिया			
			चालू खाता सं052215	13133.14		

1	2	3	4	5	6
		डाक शुल्क लेखा शेष			
		(i) फ्रैंकिंग मशीन	198.55		
		(ii) नकद डाक शुल्क	10.20		50589.84
कुल :	1131788.65				1131788.65

ह0/केoएसoआरo कैलकर
रजिस्ट्रार
नैशनल स्कूल आफ ड्रामा
और एशियन थियेटर
इन्स्टीट्यूट, नई दिल्ली

ह0/इब्राहिम अल्काज़ी
निदेशक
नैशनल स्कूल आफ ड्रामा
और एशियन थियेटर
इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली

लेखा सं0-2

नेशनल स्कूल आफ ड्रामा और एशियन थियेटर इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली

राज्यों की छात्रवृत्तियों, भारत सरकार की छात्रवृत्तियों, छात्र जमानती-जमा और अन्य लौटाई जाने वाली मदों का 1-4-74 से 31-3-75 तक का प्राप्ति और भुगतान लेखा

प्राप्तियां		राशि	भुगतान		राशि
1		2	3		4
अथ शेष					
स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली		17356.18			
चालू खाता सं0 52216					
भारत सरकार की छात्रवृत्तियां			भारत सरकार की छात्रवृत्तियां		
प्रथम वर्ष	3250.00		प्रथम वर्ष	3250.00	
तृतीय वर्ष	129.05	3379.05	तृतीय वर्ष	500.00	3750.00
रिक्थ व्याज छात्रवृत्ति		16247.25	रिक्थ व्याज छात्रवृत्ति		16987.91
हरियाणा सरकार छात्रवृत्ति		249.75	हरियाणा सरकार छात्रवृत्ति		249.75
राजस्थान संगीत नाटक अकादमी छात्रवृत्ति		2620.80	राजस्थान संगीत नाटक अकादमी छात्रवृत्ति		2620.80
हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां		1795.68	हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां		1795.68
भारत सरकार छात्रवृत्ति (बंगला देश)		13621.00	भारत सरकार छात्रवृत्ति (बंगला देश)		10316.47

1	2	3		4
उत्तर प्रदेश राज्य संगीत नाटक		उत्तर प्रदेश राज्य संगीत नाटक		
अकादमी छात्रवृत्ति	1503.33	अकादमी छात्रवृत्ति		1503.33
भारत सरकार छात्रवृत्ति (नेपाली छात्र)	3380.00	भारत सरकार छात्रवृत्ति (नेपाली छात्र)		2330.00
साहित्य कला परिषद् छात्रवृत्ति	2000.00	साहित्य कला परिषद् छात्रवृत्ति		940.52
छात्रों से जमा	1890.00	छात्रों से जमा		210.00
नाटक कंपनी जमानती जमा	1300.00	नाटक कंपनी जमानती जमा		1360.00
छात्र-मैस जमा	1500.00	छात्र-मैस जमा		500.00
उचंत	39367.00	उचंत		39722.00
असंवितरित छात्रवृत्तियां	504.00	असंवितरित छात्रवृत्तियां		504.00
		हस्तस्थ शेष		
		स्टेट बैंक आफ इंडिया		
		चालू खाता सं0 52216	23683.11	
		हाथ रोकड़	1540.47	25223.58
	107014.04			107014.04

ह0/के0 एस0 आर0 केलकर
रजिस्ट्रार

ह0/इब्राहिम अल्काज़ी
निदेशक

कार्यालय, जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल

1974-75 का प्राप्ति और भुगतान लेखा

प्राप्तियों के ब्यौरे	राशि रु0	भुगतान के ब्यौरे	राशि रु0
1	2	3	4
अथ शेष	3,820.56	स्थापना का वेतन	1,39,143.48
संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली		अंशदायी भविष्य निधि के रूप में	5,643.00
से अनुदान	1,50,000.00	छात्रवृत्ति	13,470.00
मणिपुर राज्य कला अकादमी		त्योहार पेशगी	1,300.00
से अनुदान	10,000.00	वार्षिक समारोह	1,557.45
शिक्षा शुल्क	3,825.00	फिल्मांकन अभिलेखन	135.72
हाल का किराया	4,960.00	पोशाकों की खरीद और मरम्मत	1,390.00
सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत		नृत्य-प्रदर्शन का प्रचार	2,372.00
करने का लागत खर्च	2,232.50	फर्नीचर और साज़सामान	188.45
विविध प्राप्तियां	1,604.24	पुस्तकालय, अनुसंधान और प्रकाशन	388.10

1	2	3	4
		प्रकाश-व्यवस्था, लैंस सामग्री, टिकट	
		और जल-शुल्क	2,799.42
		अन्य खर्च	2,990.10
		बयान राशि	40.00
			1,71,377.72
		अव्ययित शेष	4,864.58
कुल रु0	1,76,242.30		1,76,242.30

ह0/एम0 के0 विनोदिनी देवी
सचिव
जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल

1974-75 का प्राप्ति और भुगतान लेखा

प्राप्तियाँ		राशि रु0	परिशोधित प्राक्कलन विवरण रु0	परिशोधित प्राक्कलन कुल रु0	भुगतान	राशि रु0
1		2	3	4	5	6
अथ शेष को :				172100	वेतन और भत्तों द्वारा	
डाक शुल्क पेशगी	23.55		45500		वेतन और भत्ते (प्रशासन)	43,835.84
दूसरा रोकड़ अग्रदाय	178.35		123600		-----वही -----	1,19,035.51
संगीत नाटक अकादमी	18348.48	18,550.38	3000		आकस्मिकता निधि से	2,929.00
					वेतन पाने वाला स्टाफ	
अनुदान को		3,16,000.00		92900	बैले और प्रदर्शनों द्वारा	
आय को :		24,180.65	62900		वेतन और भत्ते	60,444.84
प्रवेश-शुल्क	430.00		27000		प्रदर्शन	24,877.85
निम्न से प्राप्त शिक्षा -शुल्क			3000		पोशाकें	2,600.69
विशिष्ट नृत्य कक्षा	5900.00			11666	छात्रवृत्ति द्वारा :	
तीन साला डिप्लोमा पाठ्यक्रम			1251		प्रथम वर्ष :	1,251.19
प्रथम वर्ष :	225.00		2783		द्वितीय वर्ष :	2,783.87

1	2	3	4	5	6
द्वितीय वर्ष :	600.00	7632		तृतीय वर्ष :	7,617.97
तृतीय वर्ष :	225.00		5000	समिति के सदस्यों के यात्रा	
प्रारम्भिक नृत्य	3000.00			और दैनिक-भत्ते द्वारा	3,297.10
विशिष्ट ठुमरी कक्षा	625.00		13700	विशेष सुरक्षा उपायों द्वारा	
विशिष्ट पखावज कक्षा	375.00	12600		अंशदायी भविष्य निधि	12,518.00
प्रायोजित कार्यक्रम	2801.75	700		चिकित्सा-प्रतिपूर्ति	395.00
आय : 4450.00		200		बच्चों का शिक्षा भत्ता	200.00
व्यय : 1648.25		200		अवकाश यात्रा रियायत	70.55
विविध आय	233.20		43,989	अन्य प्रभारों द्वारा	
वसूली योग्य राशि	145.00	24000		किराए, पौर कर और कर	24,000.00
टिकटों की बिक्री	5820.00	1500		टेलीफोन किराया और	
				बाल खर्च	1,392.00
वाहन पेशगी	130.00	200		डाक शुल्क व्यय	155.55
लेखागत	3150.00	1500		पानी और बिजली	300.00
इलाहाबाद - यात्रा				वर्दियाँ, बरसातियाँ	
पेशगी	440.70	453		और छाते	452.35

1	2	3	4	5	6
		100		मनोरंजन	73.95
		2050		लेखा परीक्षा शुल्क	2,050.00
		1000		लेखन सामग्री	933.22
		400		भाड़ा, कुली-भाड़ा और सवारी	372.35
		2700		रखरखाव और मरम्मत	2,902.23
		1121		विज्ञापन और प्रचार	1,121.75
		965		परीक्षा-व्यय	965.40
		1000		विस्तार व्याख्यान	-
		1000		संगीत वाद्य	31.50
		2000		फर्नीचर	2,079.50
		1500		पुस्तकालय	580.90
		1000		आकस्मिक व्यय	1,318.24
		1000		दृश्य-श्रव्य मूलपाठ अध्ययन	1,408.00
		500		त्योहार पेशगी	--

1	2	3	4	5	6
अनुदान से असम्बद्ध आय में	86,189.92			अनुदानों से असम्बद्ध व्यय के रूप में	
अवधान राशि	680.00			अवधान राशि	745.00
पुस्तकालय राशि	120.00			पुस्तकालय राशि	150.00
ट्रंक काल प्रभार	114.20			ट्रंक-काल प्रभार	114.20
कर्मचारी-आयकर	4836.00			कर्मचारी-आयकर	4836.00
छात्रवृत्ति संस्कृति विभाग	14545.50			छात्रवृत्ति संस्कृति विभाग	14811.66
छात्रवृत्ति जम्मू-कश्मीर अकादमी	--			छात्रवृत्ति जम्मू-कश्मीर अकादमी	270.49
अदत्त वेतन और भत्ते	28956.64			अदत्त वेतन और भत्ते	28956.64
कर्मचारी भविष्य-निधि	13404.00			संगीत नाटक अकादमी	
केन्द्र की भविष्य-निधि	12966.00			भविष्य-निधि लेखा	26145.00
अदत्त छात्रवृत्ति	3272.58			अदत्त छात्रवृत्ति	3569.35
अतिरिक्त महंगाई भत्ता	1968.00			अतिरिक्त परिलब्धियाँ	
त्यौहार पेशगी	800.00			(अनिवार्य जमा खाता	
वेतन बचत जीवन				सं0 1510)	1968.00
बीमा निगम	2772.00			त्यौहार पेशगी	700.00
पेशगी अस्थायी	1365.00			वेतन बचत जीवन बीमा निगम	2772.00

1	2	3	4	5	6
				पेशगी अस्थायी	1,665.00
				भारतीय कला केन्द्र ट्रस्ट	1,000.00
				पेशगी अंशदायी भविष्य निधि	315.00
				हाथ रोकड़ द्वारा	
				डाक शुल्क पेशगी 30.00	
				खुदरा रोकड़ अग्रदाय 42.79	
				स्टेट बैंक आफ इंडिया 34835.37	34908.16
कु० :	4,44,920.95				4,44,920.95

ह0/गोपाल दास
निदेशक

ह0/एस0एन0एस0 सक्सेना
लेखापाल